RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

अंदोलन नहीं अखबार

जयपुर
सोमवार
09/सितम्बर/2024

वर्ष: 10: अंक: 141

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

न्यूज इनबॉक्स

मोतीडूंगरी गणेश जन्मोत्सवः उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किया शोभा यात्रा का शुभारंभ

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)।। मोतीडूंगरी गणेश जन्मोत्सव के समापन पर रविवार को जयपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ ने मुख्य रथ पर भगवान गणेश की आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ सुदेश धनखड़ ने मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेशजी की पूजा अर्चना भी की। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा और महंत पूरणचंद शर्मा ने उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी को भगवान गणेशजी का दुपट्टा ओढ़ाया। मुख्य रथ पर आरती के बाद विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा देर रात गढ़ गणेश मंदिर तक जाकर सम्पन्न हुई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा का स्वागत किया। मुख्य रथ पर भगवान गणेश की भक्तों ने आरती उतारी। संयोजक प्रताप भानु ने बताया कि कुल 91 झांकिया शोभायात्रा में शामिल रही। महंत कैलाश शर्मा के पुत्र अभिषेक शर्मा ने भगवान गणेशजी का चित्र भेंट किया। शोभायात्रा यात्रा के संयोजक प्रताप भानु सिंह ने शोभायात्रा का दुपट्टा ओढ़ाया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र संघ चालक डॉ रमेशचंद्र अग्रवाल और उनकी पत्नी भी मौजूद रहीं।

अजमेर में भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी, 12वीं तक सभी स्कूल बंद

अजमेर(निसं.)। राजस्थान में एक बार फिर से मानसून सक्रिय होने से जयपुर से अजमेर तक भारी बारिश का दौर जारी है. जयपुर, बूंदी, अजमेर और राजसमंद समेत कई इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं. मौसम विभाग ने विभाग ने भरतपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, अजमेर और बूंदी में 08-09 सितंबर को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. अजमेर में मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चेतावनी के बाद 12 वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है. मौमस विभाग ने बताया कि अगले तीन दिन तक पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है व अधिकांश हिस्सों में मध्यम व कभी भारी बारिश होने की संभावना है. भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई. अजमेर, भरतपुर और भीलवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया.

दूदू, केकड़ी और सांचौर सहित 6-7 नए जिले होंगे खत्म

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिए संकेत

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले बनाए गए नए जिलों में से छह सात जिलों को भजनलाल सरकार समाप्त करेगी, इसके संकेत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को दे दिए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि एक-एक विधानसभा के जिले बना दिए गए। दूदू, केकड़ी और सांचौर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आप ही बताइए यह किस तरह से वाजिब है। बनाई कमेटी ने इसका अध्ययन किया है। कई जिले हैं, जिनकी मांग वाजिब भी है, वो जिले रहेंगे, बाकी जिलों को हम समाप्त करेंगे। जिन जिलों की जरूरत नहीं है वह जिले क्यों बना दिए गए। मैं सोचता हूं कि वहां के जनप्रतिनिधियों को खुश करने के लिए तत्कालीन सरकार ने जिले बना दिए। नए जिले बनाने का लोग विरोध कर रहे हैं, जनता भी खुश नहीं है, 6-7 जिले ऐसे हैं जो खत्म किए जाएंगे। केवल तुष्टीकरण के लिए जिले बना दिए है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ रविवार सुबह भीलवाड़ा पहुंचे। रेल मार्ग से भीलवाड़ा पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष राठौर ने जैन मुनि रामलाल जी महाराज के दर्शन किए, इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष राठौर उदयपुर के लिए रवाना हो गए। भीलवाड़ा पहुंचने पर सांसद दामोदर अग्रवाल भाजपा जिला पदाधिकारी ने उनका स्वागत किया। सांसद अग्रवाल के आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि

"प्रदेश में 8 लाख के आस-पास सदस्य भाजपा से जुड़े हैं, जिनकी समीक्षा की जा रही है। सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में उत्साह है। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी की सदस्यता के विवाद पर प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि इन्होंने पार्टी की रीति-नीति और राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर सदस्यता ली है, लेकिन, देना नहीं देना हमारे हाथ में है। उन्होंने विधानसभा के उपचुनावों की तैयारी को लेकर कहा कि पार्टी ने एक सतत प्रक्रिया के तहत विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रभारी लगा दिए हैं। यह हमारी एक निरंतर प्रक्रिया है। मगर, अभी चुनाव की घोषणा की तिथि घोषित होने के बाद ही हम अलग रणनीति तय करेंगे। भीलवाड़ा की निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी की सदस्यता पर उठे विवाद के बारे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि टीकाराम जूली की टिप्पणी कोई महत्व नहीं रखती है, वह अपना परिवार संभाले। हम दूध पीते हैं, कसरत करते हैं तो इनका पेट क्यों दुखता है? विपक्ष का काम ही गरमाने का है, उनके पास कोई मुद्दे नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि आपको कमियां ढूंढनी है, तो ढूंढिए सुझाव दीजिए, मगर केवल विरोध करने के लिए विरोध करना गलत परंपरा है। विधायक कोठारी ने सदस्यता ग्रहण कर ली है। मगर, इसे स्वीकार करना, नहीं करना हमारा काम है। जुली के बयान पर उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार को संभाले, हमारा परिवार हम संभाल लेंगे, किसको सदस्यता देनी है, नहीं देनी है, यह हमारा निर्णय है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में सक्रियता और जागरूकता बढ़ी है, इसकी समीक्षा भी आवश्यक है, इसके लिए हम समीक्षा लगातार कर रहे हैं। ऑनलाइन सदस्यता में तो कोई आतंकवादी भी सदस्य बन जाए। मिस्ड कॉल करके कोई भी सदस्यों की सूची में शामिल हो जाए। अध्यक्ष के पास यह पावर है कि सदस्यता लेने वाले की सदस्यता स्वीकार करना या नहीं करना।

राठौड़ का बडा बयान, 6 से 7 जिले होंगे कम

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपने जनप्रतिनिधियों को खुश करने के लिए अनावश्यक रूप से जिलें बना दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे 6-7 जिले अब समाप्त होंगे। उन्होंने एक-एक विधानसभा को जिले बनाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने केकड़ी, दूदू और सांचौर का नाम लेते हुए कहा कि आप ही बताइए किस तरह से जिले बनाए गए? क्या इन्हें जिला बनाना वाजिब है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए ताबड़तोड़ जिले बना दिए। अब ऐसे अवांछित 6 से 7 जिले समाप्त किए जाएंगे।

अशोक कोठारी को सदस्यता देना या नहीं देना हमारे हाथ में

इधर, भीलवाड़ा के निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी के बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करने से सियासत में जमकर हलचल मची हुई है। इधर, कोठारी की सदस्यता पर उपजे विवाद पर बीजेपी चीफ राठौड़ ने पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि अशोक कोठारी ने पार्टी की रीति-नीति और राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर सदस्यता ली है, लेकिन उन्हें सदस्यता देना या ना देना हमारे हाथ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी 6 विधानसभा सीटों के उप चुनाव के लिए बीजेपी एकजुट है। चुनाव की तिथि घोषित होने के बाद पार्टी की अलग से रणनीति बनाई जाएगी।

सीएम ने भी नए जिलों को लेकर प्रशासनिक सीमाएं खोलने की उठाई मांग

भजनलाल सरकार नए जिलों में फेरबदल करने को लेकर पूरी तैयारी में है। गत 2 सितंबर को हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में रिव्यू सब कमेटी की बैठक हुई। हालांकि, इस बैठक में कोई निर्णय नहीं हो पाया। अब यह बैठक फिर से आयोजित होगी। इधर, सीएम भजनलाल ने गत बुधवार को राजस्थान के जिलों की प्रशासनिक सीमाएं खोलने की मांग करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। इस पत्र से स्पष्ट संकेत है कि सरकार नए जिलों को लेकर जल्द ही फेरबदल करने की तैयारी में है।

भारतीय दल ने ओलिंपिक में विनेश फोगाट की नहीं की थी मदद

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। हरियाणा की मशहूर रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलपिक में 100 ग्राम बढ़े वजन से मेडल से चूकने के मामले पर पहली बार खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास मेडल जीतने का कानूनी विकल्प था, लेकिन भारतीय डेलिगेशन ने उन्हें यह नहीं बताया। यह जानकारी उन्हें एक दोस्त से मिली, जो अंतरराष्ट्रीय खेलों में जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने उनके ओलिंपिक मेडल को उनके व्यक्तिगत मेडल के रूप में देखा, न कि देश का, और उनकी मदद करने से इनकार कर दिया। विनेश ने 6 सितंबर को कांग्रेस जॉइन की थी, और उन्हें जुलाना विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़े आंदोलन की प्रमुख चेहरों में से एक थीं। विनेश का कहना है कि बीजेपी ने उनके खिलाफ व्यक्तिगत बदले की भावना से काम किया और उन्हें किसी प्रकार की सहायता नहीं दी। विनेश ने पत्रकारों से बात

करते हुए खुलासा किया कि जब ओलिंपिक में उनका वजन 100 ग्राम बढ़ा हुआ था, तो कानूनी विकल्प थे, जिनसे वह मेडल जीत सकती थीं। लेकिन भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें कोई सहायता नहीं दी। विनेश के अनुसार, विदेशी खिलाड़ियों ने भी उन्हें बताया कि यदि सही ढंग से कानूनी लड़ाई लड़ी जाती, तो वह मेडल भारत के पास होता। विनेश ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि मेरे पास वह मेडल था, लेकिन इसे भारतीय दल ने व्यक्तिगत इगो पर ले लिया। वह मेडल मेरा नहीं, बल्कि देश का था और देश चाहता तो वह मेडल आ सकता था। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी ने मेडल को सिर्फ उनका व्यक्तिगत मेडल समझा और उनके साथ बदले की भावना से व्यवहार किया। विनेश ने अपने चुनाव लड़ने के फैसले को कांग्रेस का निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि इस बारे में बजरंग पूनिया के साथ कोई चर्चा नहीं हुई थी। कांग्रेस ने जो निर्णय लिया, उसे उन्होंने स्वीकार किया। बजरंग पूनिया को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन बनाया गया है, जिसे विनेश ने अपने दिल के करीब बताया। विनेश ने कहा कि बजरंग के पास उनसे ज्यादा जिम्मेदारी है। पूर्व कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर विनेश ने तीखे प्रहार किए। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने बृजभूषण को थप्पड़ क्यों नहीं मारा, तो उन्होंने जवाब दिया, "यही हमारी गलती रह गई। अगर पहले भगवान ने इतनी हिम्मत दी होती, तो कई बच्चियां बच सकती थीं। लेकिन थप्पड़ मारने का भी समय आएगा। वह अब क्यों डर रहा है? इतना क्यों बौखला रहा है?" बृजभूषण की ओर से विनेश और बजरंग पर डबल ट्रायल के आरोपों पर भी उन्होंने कहा कि यह सब नियमों के तहत हुआ है। यदि उनके पास इतनी शक्ति होती, तो बृजभूषण आज जेल में होते।

कांग्रेस नहीं छोड़ी तो होगा बुरा अंजाम

बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी

द पुलिस पोस्ट

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के मशहूर रेसलर और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें एक विदेशी नंबर से वॉट्सऐप मैसेज के जरिए दी गई है। मैसेज में लिखा गया है कि अगर वह कांग्रेस नहीं छोड़ते, तो उनके और उनके परिवार के लिए अंजाम बुरा होगा। साथ ही चेतावनी दी गई कि यह आखिरी संदेश है और चुनाव से पहले उन्हें दिखाया जाएगा कि धमकी देने वाले क्या कर सकते हैं। बजरंग पूनिया ने इस मामले की शिकायत सोनीपत के बहालगढ़ थाना में दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के प्रवक्ता एएसआई रविंद्र ने बताया कि धमकी के संदेश की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कांग्रेस जॉइन करने के बाद धमकी

6 सितंबर को बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने कांग्रेस जॉइन की थी। कांग्रेस ने बजरंग को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का वर्किंग चेयरमैन बनाया है। विनेश फोगाट को जुलाना से टिकट दी गई है। इसके बाद, भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने बयान दिया था कि बजरंग और विनेश कांग्रेस की कठपुतलियाँ हैं। उन्होंने हरियाणा में विनेश के खिलाफ

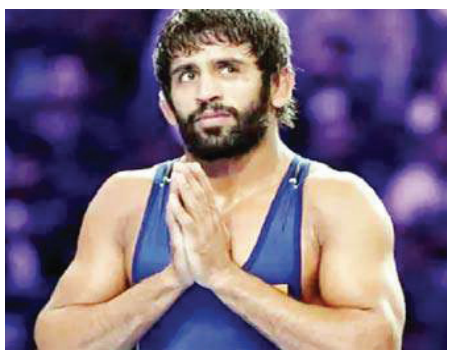

प्रचार करने की बात भी कही थी। इस पर बजरंग पूनिया ने बृजभूषण को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर उनमें हिम्मत है, तो वे हरियाणा आकर चुनाव प्रचार करें। बजरंग ने साफ किया कि वह खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन विनेश को हरियाणा की जनता का समर्थन मिलेगा।

पुलिस कर रही है जांच

बजरंग पूनिया की शिकायत के बाद, सोनीपत पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी कहा है कि धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा को चुनौती के लिए हरियाणा में कांग्रेस और आप साथ

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन लगभग तय हो चुका है। दोनों पार्टियों ने सीटों के बंटवारे के लिए 4+1 फॉर्मूले पर सहमति बना ली है, जिसमें आप को 5 सीटों का ऑफर दिया गया है। गठबंधन का आधिकारिक ऐलान 9 सितंबर को होने की संभावना है। शनिवार रात कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच मीटिंग के बाद यह सहमति बनी है।

गठबंधन के तहत जींद, कलायत, पानीपत (ग्रामीण), गुरुग्राम, पेहोवा और ओल्ड फरीदाबाद की 6 सीटों पर दोनों पार्टियों ने समझौता किया है। आप से जींद से डॉ. सुशील गुप्ता, कलायत से अनुराग ढांडा और पेहोवा से बलवीर सैनी चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि पानीपत (ग्रामीण) और गुरुग्राम से अभी उम्मीदवारों का नाम तय नहीं हुआ है। राघव चड्ढा ने गठबंधन पर सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों दल हरियाणा के लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम करने का इरादा रखते हैं और गठबंधन के लिए अच्छी चर्चा हो रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दोनों पार्टियों के बीच जीत-जीत की स्थिति नहीं बनती है, तो बातचीत को छोड़ा जा सकता है। कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि आप ने कम सीटों पर सहमति जताई है और गठबंधन को लेकर अंतिम निर्णय जल्द ही लिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव में भी साथ लड़ चुके हैं दोनों दल

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस ने जॉइंट कैंडिडेट के रूप में डॉ. सुशील गुप्ता को कुरुक्षेत्र सीट से उतारा था। इस क्षेत्र में 9 विधानसभा सीटें आती हैं, जिनमें से 4 सीटों पर आप को जीत हासिल हुई थी। इन सीटों पर कांग्रेस की ओर से आप को समर्थन देने की संभावना है। गठबंधन के ऐलान के साथ ही हरियाणा की सियासत में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और आप मिलकर बीजेपी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में हैं।

राजस्थान में राइजिंग सन से निवेशकों को लाएंगे सीएम भजनलाल

द पुलिस पोस्ट

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विदेश दौरे पर हैं। 9 से 11 दिसंबर को होने वाले राजस्थान राइजिंग समिट में विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए वे विदेश दौरे पर हैं। वे दो दिन जापान और फिर दो दिन दक्षिण कोरिया में रहेंगे। इन दोनों देशों में कई व्यापारियों, उद्योगपतियों और राजस्थान से ताल्लुक करने वाले नागरिकों से संपर्क किया गया है। सीएम भजनलाल शर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, एसीएस शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा के साथ रीको और बीआईपी के अधिकारी भी विदेश दौरे पर हैं।

उद्योगपतियों से वन टू वन मुलाकात करेंगे अफसर

सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा और आईएएस अधिकारियों के साथ गए

अफसर जापान की राजधानी टोक्यो में वहां के उद्योगपतियों से मिलेंगे। उन्हें राजस्थान में खनिज की उपलब्धता, औद्योगिक माहौल और सरकार की ओर से किए जाने वाले सहयोग के बारे में जानकारी देंगे। निवेशकों को बताया जाएगा कि राजस्थान में निवेश करने पर उन्हें कितना बड़ा मुनाफा हो सकता है। हालांकि जापान की दर्जनों बड़े उद्योगपतियों के राजस्थान में कारखाने हैं। सरकार का प्रयास है कि और उद्योगपति आए और राजस्थान में निवेश करे ताकि राजस्थान और प्रगति करे। विदेश दौरे पर गए अफसर निवेशकों से वन टू वन मुलाकात करेंगे। इसके बाद सीएम भजनलाल शर्मा भी निवेशकों से मिलेंगे।

नीमराना दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे सीएम भजनलाल

दस सितंबर को जापान की राजधानी टोक्यो में नीमराना दिवस समारोह मनाया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य अधिकारी इस समारोह में शिरकत करेंगे। दरअसल नीमराना राजस्थान के अलवर जिले में एक जगह है जहां जापान सहित दर्जनों विदेशी कंपनियों के कारखाने स्थापित हैं। इस औद्योगिक क्षेत्र के नाम पर जापान में हर साल बड़े कार्यक्रम मनाए जाते हैं। इस साल होने वाले समारोह में राजस्थान के सीएम सहित वरिष्ठ अधिकारी भी शिकरत कर रहे हैं। जापान के जिन उद्योगपतियों ने अभी तक राजस्थान में निवेश नहीं किया है। इस समारोह में उनसे मुलाकात करके निवेश का आग्रह किया जाएगा।

11 और 12 को दक्षिण कोरिया में रहेंगे सीएम

जापान के दौरे के बाद सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा और विदेश दौरे पर साथ गए आईएएस अधिकारी दक्षिण कोरिया जाएंगे। वहां के निवेशकों को भी राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। राजस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन और व्यापार के अनुकूल माहौल के बारे में जानकारी देंगे। वहां पर स्थानीय उद्योगपतियों का प्रतिनिधि मंडल भी सीएम से मुलाकात करेगा। साथ ही अलग अलग व्यापारियों की एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी सीएम से मुलाकात करेंगे।

दिल्ली में भी रोड शो करेंगे सीएम भजनलाल

जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा करीब 2 दर्जन देशों के निवेशकों को राइजिंग राजस्थान समिट में आमंत्रित किया जाएगा। राजस्थान के आईएएस अधिकारियों को अलग अलग देशों से संपर्क करने की जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस अधिकारी विदेश में नियुक्त राजदूत के जरिए वहां के निवेशकों से संपर्क कर रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए चर्चा भी कर रहे हैं। राज्य सरकार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा उद्योगपति इस समिट में शामिल हो और उद्योग लगाने के लिए एमओयू साइन करे।

भाजपा ने किया साँसद दामोदर अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का भव्य स्वागत

द पुलिस पोस्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के प्रदेशाध्यक्ष बनने के पश्चात प्रथम बार भीलवाड़ा पधारने पर रात्रि 3 बजे भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर सांसद दामोदर अग्रवाल की अगुवाई में सभी भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया । साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि किया भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ अल्प प्रवास पर जैन मुनि रामलाल जी महाराज के दर्शनार्थ अरिहंत भवन आये थे ।। जहा प्रातः सांसद निवास पर सांसद दामोदर अग्रवाल के नेतृत्व में सभी भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया व फूल मालाओ व दुपट्टों से लाद दिया। इस अवसर पर विधायक अशोक कोठारी प्रेम गर्ग राकेश ओझा नंद लाल गुर्जर कल्पेश चोधरी रामानुज सारस्वत रोशन ललिता समदानी आरती कोगटा देवेंद्र दानी विमल जैन हेमेन्द्र उपरेड़ा सुरेंद्र सिंह मोटरास नंद किशोर बैरवा ओम साई राम शिव वैष्णव राजेश जाट जगदीश डिडवानिया आजाद शर्मा कैलाश सुवालका तुलसी राम शर्मा राजा साध वैष्णव कन्हैया लाल स्वर्णकार गौतम शर्मा मनीष पालीवाल कैलाश सोनी गोपाल तेली गोर्धन सिंह कटार प्यारा तेली प्रह्लाद त्रिपाठी शिव चन्नाल भगवत सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने स्वागत किया।

सांसद दामोदर अग्रवाल सोमवार को जिला कार्यालय पर करेंगे जनसुनवाई

द पुलिस पोस्ट

मंगलवार से उनियारा उपचुनाव में तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल सोमवार को प्रातः 11 से 2 बजे तक भाजपा जिला कार्यालय पर जनसुनवाई करेंगे। सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि भाजपा प्रदेश महामंत्री साँसद दामोदर अग्रवाल मंगलवार से तीन दिवसीय दौरे पर उनियारा विधानसभा उपचुनाव के लिए रहेंगे।

बूलीवाल साक्षरता दिवस पर जिलास्तर पर सम्मानित

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ाः-(गुरला बद्री लाल माली) आज जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह में विनोद बूलीवाल,महेन्द्रगढ़ को नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर उन्हें प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देखकर अतिथियों द्वारा राउमावि राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिलाप्रमुख बरजी देवी,उपखण्ड अधिकारी नेहा छिपा, आव्हाद निवृति,साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी डॉ.रामेश्वर लाल जीनगर, श्यामलाल खटीक प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

शिक्षिका कायमखानी को 'लायन्स' क्लब ने किया सम्मानित

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा (गुरला बद्री लाल माली) अंतरराष्ट्रीय संगठन लायंस क्लब भीलवाड़ा भास्कर की ओर से स्थानीय नोबेल अंतरराष्ट्रीय स्कूल भीलवाड़ा की शिक्षिका रजिया कायमखानी ससुर इंजीनियर हाजी अहमद नूर खां कायमखानी सुभाष नगर को उनकी उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाओं के साथ राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया । लायंस क्लब द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में क्लब की ओर से श्रीमती कायमखानी को प्रशस्ति पत्र के साथ 5100 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया , श्रीमती रजिया को मिले सम्मान पर कायमखानी समाज के प्रतिनिधियों सहित उनके परिजनों एवं विद्यालय स्टाफ के सदस्यों ने उन्हें बधाई प्रेषित की ।

पंडित शिवचरण लाल शर्मा की पुण्यतिथि में उमड़ा जन सैलाब

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावुक हुए पूर्व मुख्यमंत्री, बोले पूर्व मंत्री अपने पीछे सेवा भाव छोड़कर गए, विधायक नीरज शर्मा बढ़ा रहे सेवा भाव को आगे

पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर मुकेश शर्मा ने हुड्डा से सरकार आने पर मांगे तीन ईमानदार अधिकारी

द पुलिस पोस्ट

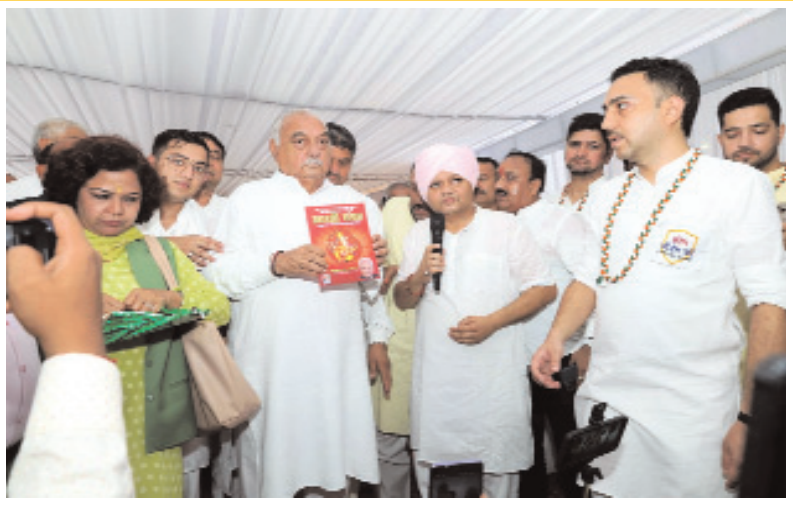

फरीदाबाद स्वः पंडित शिवचरण लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर रविवार को जवाहर कालोनी उनके निवास पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। अपने पुराने साथी पंडित शिवचरण लाल शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा पूरी तरह से भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि पंडित जी ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा मं लगा दिया। वह अपने पीछे सेवा भाव छोड़ कर गए। उनके बेटे विधायक नीरज शर्मा अब उसी परीपाटी को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे पांच साल में भाजपा सरकार ने केवल विपक्ष को परेशान करने का काम ही किया है। इस मौके पर विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि कांग्रेस की सरकार आने पर 500 रुपये सिलेंडर और छह हजार रुपए पेशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनआइटी की जनता को बस आठ अक्टूबर का इंतजार है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ में मेट्रो लाने का काम भी पूर्व मुख्यमंत्री ने किया था। अब फरीदाबाद से गुरुग्राम मेट्रो भी कांग्रेस सरकार के राज में ही शुरू होगी।

दो लाख पक्की नौकरी देने का वादा

नीरज शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने रोजगार देने के नाम पर केवल बरगलाने का काम किया है। कांग्रेस सरकार में दो लाख पक्की नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा 25 लाख रुपये तक के इलाज का स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाएगा। जिससे हर व्यक्ति मुफ्त में अपना इलाज करा सकेगा। उन्होंने इस मौके पर अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि गौछी ड्रेन में हम नहाया करते थे। लेकिन इस सरकार के भ्रष्टाचार ने ड्रेन को भी नहीं छोड़ा। दोबारा से ड्रेन के पानी को पूरी तरह से स्वच्छ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनआइटी की सीवरेज लाइन 25 साल पुरानी हो गई है। इसको नए सिरे से डालने का काम किया जाएगा।

सीनियर डिप्टी मेयर ने मांगे तीन ईमानदार अधिकारी

इस मौके पर पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर मुकेश शर्मा ने भूपेंद्र हुड्डा से सरकार आने पर तीन ईमानदार अधिकारी मांगे। जिमसें उपायुक्त, निगम आयुक्त और पुलिस आयुक्त शामिल रहे। उन्होंने कहा कि यह तीनों अधिकारी जिले को ईमानदार मिल गए तो 20 साल तक कांग्रेस हरियाणा पर राज करेगी। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री ने आरती संग्रह किताब का विमोचन किया।
इस मौके पर पूर्व विधायक रधूबीर तेवातिया, पूर्व विधायक शरदा राठौर, प्रदीप राणा , नितिन सिंगला अध्यक्ष युवा काग्रेंस, जगन डागर, पर्वू पाषर्द दया शकंर गिरी, वेदपाल सरंपच, मुकेश डागर, राममेहर प्रधान, रामसिंह यादव, महेन्द्र सरंपच निर्वतमान पाषर्द, सरदार कुलंवत सिंह प्रधान गुरूदारा सिंह सभा, फारूख ठेकेदार, मुस्लिम, रामेश भारद्धाज, विरेन्द्र डागर, हरबीर मवाई, देशराज शर्मा, पकंज शर्मा,त्रिलोक मास्टर, सारन नेपाल सिंह, सुरेश नैन, नन्नदराम पाहिल, गौरव जुनेजा, राकेश गोयल, सुन्दर लाल चुग, राकेश कुमार प्रधान काली माता मदिंर, इरशद सरपंच, गिर्राज मुदगिल, नवीन कौशिक, प्रकाश पंडित, पकंज बालियान, आरसी शर्मा, जेसी कौशिक, प्रभु झा, मधूसुदन झा एंव अन्य गणमान्य साथी उपस्थित रहे।

भाजपा की नगर कार्यकारिणी में कुमावत ने दो लिस्ट निकाली एक मे हस्ताक्षर नही तो दोनो मे दिनांक नही है सभी गुटों को आपस मे झगडे कराने की कोशिश

राठी को गोली पकडाकर छह माह महामंत्री बनाकर काम करवाया आखिर मे उपाध्यक्ष की लॉलीपॉप पकडा दी गुटबाजी फैलाने वाले अध्यक्ष है कुमावत

अध्यक्ष बनाएँ एक साल बाद कार्यकारणी बनाना मतलब पूर्व विधायक के डर से नही बना पाए क्यू की बडे वो है अध्यक्ष------?

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज। भाजपा नगर अध्यक्ष ताराराम कुमावत ने अपनी कार्यकारिणी में सभी गुटों को एकजूट करने की कोशिश करते हुए पदाधिकारियों से चर्चा करने के बाद शनिवार की देर शाम अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।
भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश कोठारी, राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, महामंत्री दीपाराम पुरोहित की सहमति से कुमावत की ओर से घोषित की गई कार्यकारिणी में कुंदनमल राठी, वेनाराम प्रजापत, राकेश सोनी, मनीष सर्राफ, प्रागाराम चौधरी, हिम्मतमल घांची को उपाध्यक्ष, अशोक अग्रवाल,नरेश सिंधी व रूपेश देवासी को महामंत्री, ओमप्रकाश परिहार, मोहनलाल मेघवाल, रूपाराम रेगर, आनंदीबेन राजपुरोहित, अर्जुन गहलोत व राकेश भोजक को मंत्री, नेनमल जैन को कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र राजपुरोहित को सह कोषाध्यक्ष, प्रकाश खंडेलवाल को मीडिया प्रभारी, महिपाल रावल को सोशल मीडिया प्रभारी एवं भरत सुथार को आईटी सेल प्रभारी के पद पर मनोनित किया है।
कार्यकारिणी की घोषणा होने के बाद नगर अध्यक्ष कुमावत ने सभी पदाधिकारियों व भाजपा कार्यकताओं को बधाई देते हुए एकजूट होकर कार्य करने की अपील की है। कुमावत ने राज्यमंत्री ओटाराम देवासी सहित जिलाध्यक्ष सुरेश कोठारी एवं महामंत्री दीपाराम पुरोहित का आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया है कि सभी पदाधिकारी उनके दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य करते हुए सभी कार्यकर्ता पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में भाजपाईओ पर है राठी को छह माह महामंत्री बनाकर कार्य करवाया काम सीखते ही निकाल दिया या नेताओ के कहने पर निकाला सिर्फ उपाध्यक्ष की लॉलीपॉप पकडा दी देखते है क्या राठी जिले या प्रदेश नेतृत्व के साथ जाएगे क्यू की कार्य करने वाले हमेशा उपर तक जाते है ।

एक साल तक नही बनाई कार्यकारिणी बनाई तब भी विरोध

भूमाफियाओ का अध्यक्ष को साथ है हमेशा साथ भी भूमाफियाओ को रखेगे यही हुआ है शिवगंज भाजपाईओ के मंडल कार्यकारिणी मे जिसने पार्टी का भट्टा बैठाया उसको भी पदाधिकारी बनाना बडा विवाद चल रहा है कार्यकर्ता अध्यक्ष से इस्तीफा माग रहे है।

अब टाइम पुरा हुआ और कार्यकारिणी बनाई क्या बताना चाहते है अध्यक्ष

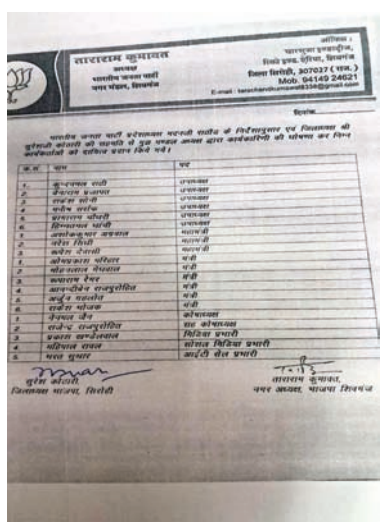

जिला अध्यक्ष व नगर मंडल अध्यक्ष दोनो एक सम्मान है एक नए धन लेकर चर्च बनाई दुसरे ने खुद के बंगलो के पिछे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करना कोलोनी की ओपन लैंड भूमी है पर नगर मंडल अध्यक्ष ने ईओ से चेटिग कर तीन साल तक लिखवा कर ले लिया पालिकाध्यक्ष का हस्ताक्षर है ही नही सिर्फ भष्ट्राचारीओ के हस्ताक्षर है जो शिवगंज की जनता-जनार्दन नही मानती है दो दिन के मेहमान है दोनो है।
पालिकाध्यक्ष व ईओ को बचाने का काम किया है नगर मंडल अध्यक्ष ने
नगर मंडल अध्यक्ष ने पालिका मे भष्ट्राचार करोडों रुपए का हुआ रोजाना अखबारो मे प्रकाशित होने के बाद भी अध्यक्ष ने एक कदम नही उठाई सिर्फ अपने घर के पिछे पडी ओपन लैण्ड भूमि को अपने नाम पर लिख कर ले ली क्यू की यह सरकारी जमीन है ईस जमीन पर कोलोनी वालो की सुविधा के लिए होती है बच्चो के खेलने व बुजुर्गो के बैठने के लिए होती है पर अपनी राजनीतिक रसुखदारी से अधिशाषी अधिकारी व पालिकाध्यक्ष पर नही हटाने की धमकी से जमीन पर कब्जा लिखवा दिया क्या अब ईनके विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए भाजपा जिला उपाध्यक्ष के साथ अधिशाषी अधिकारी ने धोखाधड़ी की तब हटाने के लिए मुख्यमंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी से मिले माननीय उच्च न्यायालय हाईकोर्ट मे लगाने पर सरकार ने एपीओ करवाया तब नगर मंडल अध्यक्ष ने हाईकोर्ट से स्टे दिलवाया और मंत्रीजी ओटारामजी देवासी पर दवाब बनाकर इन्होंने बचाने का कार्य किया क्यू की अध्यक्ष ने जिला उपाध्यक्ष को निचे दिखाने की कोशिश की गई अध्यक्ष को पता है की उनका व जनता का नुकसान किया है ऐसे अधिकारी ने फिर भी यह लोग सुबह नौ बजे आकर बैठ जाते है पालिका आफिस में ।

रा.उ.मा. विद्यालय भोपतपुरा में 68वी जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र छात्रा तीरंदाजी खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

द पुलिस पोस्ट

बिजोलिया (बलवंत जैन) उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपतपुरा में प्रारंभिक शिक्षा विभागीय 68वी जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र/छात्रा ?तीरंदाजी खेलकूद प्रतियोगिता? का उद्घाटन कार्यक्रम मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बंजारा व अमर सिंह बंजारा की अध्यक्षता में व सीआर अभिषेक सर्वा के विशिष्ठ आतिथ्य में आयोजित हुआ। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बंजारा ने टूनार्मेंट में आई 27 प्रतियोगी टीमों को खेल के प्रति सच्ची निष्ठा, नियमो व अनुशासन की शपथ ग्रहण कराते हुए पेरा ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट शीतल देवी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की कैसे बिना हाथ होते हुए भी अपनी मेहनत से राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भी कामयाबी हासिल की। साथ ही कहा की खेल से ही शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का विकास होता है व खेल को जीत हार के लिए नही अपितु अपनी योग्यता दक्षता के प्रदर्शन के लिए खेला जाना चाहिए। जिससे हमारा भविष्य उज्ज्वल होता है। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा, शांति लाल जोशी,सरपंच प्रतिनिधि भगवान सिंह,शांति लाल मेहता, मिठू सिंह, बहादुर बंजारा, यशवंत सिंह पुंगलिया, सुनील जोशी, लोकेश बंजारा,बलराम अहीर,राजू सुथार, लक्ष्मीखेड़ा सरपंच प्रतिनिधि लोकेश बलाई, अशोक पहाड़िया, पिंटू शर्मा, नरसिंह बंजारा, मुकेश बंजारा, राजेश बंजारा, रणजीत मीणा, नरेंद्र उपाध्याय,ल्लनारायण सिंह, विजेश बंजारा, रामप्रसाद मीणा व सैंकड़ों ग्रामीणजन व विद्यालय स्टाप शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नालीओ का गंदा पानी सडकों पर बीमारी फैलने का डर बना हुआ है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज शहर की सफाई व्यवस्था इतनी खराब हो गई है की बीमारी फैलने का डर हमेशा बना रहता है शिवगंज की हर गली की कंडीशन एक जैसी है नालियां भरी पड़ी है नालियों का पानी सड़कों पर फैलता है जहां पर बैठने की जगह है वहां पर देख लो इतने मच्छर फैलते हैं की दूसरे दिन आदमी सीधा बीमारी होता है पालिका प्रशासन क्यों नहीं सफाई व्यवस्था का ध्यान रखती है लाखों रुपए सफाई के नाम के खर्च कर दे नरेगा में लाखों रुपए खर्च कर रहे है फिर भी सिर्फ पेड़ लगाने के लिए लगा हुआ है सभी नरेगा कर्मचारी क्यों ऐसे कितने पेड़ लगा दिए नगर पालिका के अंदर एक भी झाली नहीं है पर पेड़ लग रहा है सैकड़ो क्यों कार्रवाई क्यों नहीं होती जहां देखो वहां पर गंदगियों के ढेर पड़े प्रशासन अंधाबन कर बैठा है क्यों कारवाई नहीं कर रहा है इसीलिए इसका फायदा उठाकर कर्मचारी मजा कर रहे हैं सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए का भुगतान हो रहा है गंदगी पड़ी है सुथारो का कॉर्नर पर देखो नालियों गंदगी भरी पड़ी कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है सफाई वयवस्था के बाद भी सफाई का ध्यान नहीं दिया जा रहा अब अधिकारी आखिर में ऑफिस से बहार निकल कर मौके पर घूमते हो तो उनको पता चले की शहर की हालत कैसी है उनको तो ऐसे भी फुर्सत नहीं है जब नेताओं का मोह छूटेगा इनको तब जाकर शहर की व्यवस्था का ध्यान रखेंगे तुरंत ही शहर की सफाई व्यवस्था को सुधारनी पड़ेगी नहीं तो आने वाले दिनों में अस्पताल में लाइन लगी रहेगी जिसकी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी

पर्यूषण पर्व पूर्णता पर साधु भगवन्तों के सानिध्य में जैन समाज ने निकाला वगोर्डा

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, जैन समाज के त्याग तपस्या के पवित्र पर्व पर्युषण की पूर्णता पर संवतसरी का प्रतिक्रमण हुए सकल संघ को खमत कामना करते हुए तपस्वी साधु भगवन्तों एवं साध्वियों के सानिध्य में जैन वीसी से मुख्य मार्गो होते हैं बैण्ड बाजों की मधुर ध्वनि व नासिक ढ़ोल के थाप पर भगवान श्री महावीर स्वामी के गंगनभेदी जयकारों के साथ महिला पुरूष डांडिया नृत्य करते वगोर्डा थुबवाडी तक पहुंचा पारणा पांचम के लाभार्थी परिवार श्रीमती मंजू बाई मिठालाल जी भण्डारी द्वारा तपस्वियों का पारणा करवाया गया लाभार्थी परिवार द्वारा जैन वीसी में नवकारसी रखीं गई जिसका सकल संघ ने लाभ लिया जैन वीसी से थुबवाडी तक भगवान के निकले वगोर्डे (शोभायात्रा) में गाय घूसने से अफरातफरी मच गई जिससे कुछ लोग नीचे गिर गये और शोभायात्रा में शामिल एक व्यक्ति को गाय द्वारा घसीट ने भी कोशिश की जिससे एक अनहोनी होने से बच गई भगवान की शोभायात्रा में जैन समाज के महिला पुरूष भक्तों ने शामिल होकर अपने आप को धन्य किया!

होटल हाईवे किंग पर फायरिंग,

फिरौती की पर्ची थमाई, स्टाफ ने काउंटर के नीचे छिपकर जान बचाई; बाहर शोरूम पर भी फायर किए

द पुलिस पोस्ट

नीमराना। नीमराना स्थित हाईवे किंग होटल में बदमाशों ने फायरिंग कर दी। एक ने काउंटर पर मौजूद स्टाफ को पर्ची थमाई और अंदर ही 3 राउंड फायर किए। स्टाफ को काउंटर के नीचे छिपकर अपनी जान बचानी पड़ी। वहीं बाहर खड़े बदमाश ने यहां स्थित 4 से 5 शोरूम पर फायरिंग कर कांच फोड़ डाले। इसके बाद बाइक पर बैठकर जयपुर रोड की तरफ रवाना हो गए। स्टाफ के अनुसार, पर्ची पर 5 उफचौधरी गैंग लिखा है। मामला जयपुर दिल्ली नेशनल हाईवे ठल्ल 48 (नीमराना) स्थित हाईवे किंग का रविवार सुबह 6:13 बजे का है।

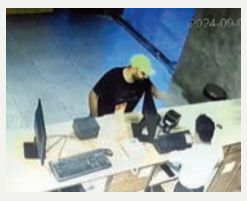

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

कोटपुतली-बहरोड एसपी वंदिता राणा ने बताया- होटल कर्मचारी की ओर से सुबह सूचना मिली थी। इसपर पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, होटल पर बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए। होटल के काउंटर पर बैठे कर्मचारी के हाथ में एक पर्ची दी। इसके बाद बदमाश ने काउंटर के दूसरी ओर फायर किए। इससे काउंटर पर लगे शीशे टूट कर नीचे गिर गए। वहीं घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस होटल में लगे सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। मौके पर नीमराना पुलिस, एएसपी शालिनी राज सहित पुलिस के अधिकारी मौके पर हैं।

पर्ची थमाई और फायरिंग कर दी

पूरी घटना होटल के बाहर लगे कैमरों में दर्ज हुई है। पार्किंग से दोनों बदमाश अलग-अलग होते नजर आ रहे हैं। इसके बाद एक बाहर रुका और एक होटल के काउंटर की तरफ गया। काउंटर पर जाने वाले बदमाश ने कैप लगा रखी है जबकि दूसरे ने सफेद रंग का गमछा लगा रखा है। एक बदमाश काउंटर पर जाकर पहले यहां मौजूद स्टाफ को पर्ची देता है और फिर फायरिंग कर देता है। इससे काउंटर के आसपास लगे कांच टूट जाते हैं। फायरिंग होते देख काउंटर पर खड़ा स्टाफ खुद को बचाने के लिए नीचे छिप जाता है। वहीं बाहर मौजूद बदमाश ने यहां दुकानों के कांच पर फायरिंग की है। इससे यहां 4 से 5 दुकानों के कांच टूटे हैं।

शिवगंज सुमेरपुर मास्टर प्लान रिंग रोड की जाँच करवाकर रोड पर हुआ अतिक्रमण की जाँच होनी चाहिए

रिंग रोड पर अतिक्रमण को लेकर अखबारो मे खबर प्रकाशित होने की पञकारो को झूठे मुकदमे मे फंसाने की धमकीया देते है भूमाफिया

मुख्य नगर नियोजक व वरिष्ठ नगर नियोजक ने धन लेकर रिंग रोड पर मुखयमंञी जन आवास योजना स्वीकृत की है जाँच करवाकर तुरंत खारिज करना चाहिए

द पुलिस पोस्ट

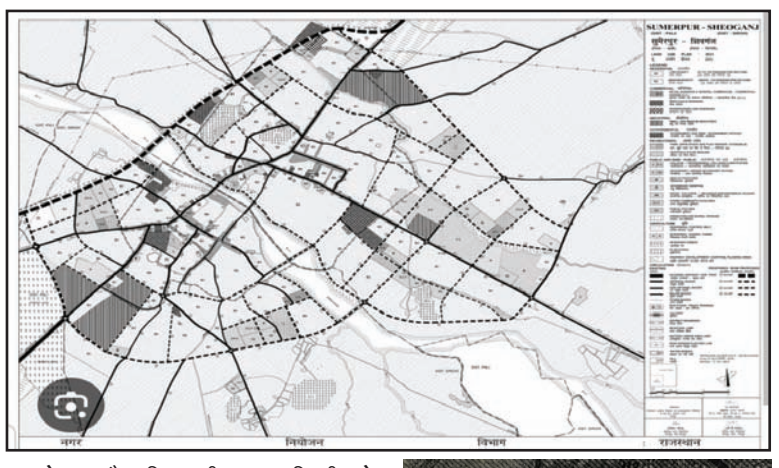

शिवगंज नगर पालिका में बैठे भ्रष्टाचारियों की वजह से शहर की आज जमीन में बर्बाद हो रही है क्योंकि इन्होंने बिना जांच पड़ताल की सिर्फ धन कमाने के अलावा कोई काम नहीं किया उसे वक्त पहले यहां पर एक मुख्यमंत्री जन आवास योजना स्वीकृत हुई पर वरिष्ठ नगर न्यूज जोधपुर मुख्य नगर नियोजक जयपुर में बड़ी रकम लौटकर जो जमीन मास्टर प्लान में रिंग रोड के अंदर है वह सरकारी योजना में यह भूमि होने पर वह मास्टर प्लान चौराहा के अंदर आने वाली जमीन पर कॉलोनी काटकर आम जनता के साथ धोखा किया है क्योंकि जब इसकी जानकारी पत्रकारों को प्राप्त होती है अखबारों में लगातार प्रकाशित होने के बाद भी प्रशासन ने एक बार कॉलोनी खारिज कर उसमें थोड़ा रिंग रोड बताना इससे पता चल जाता है की रिंग रोड कितना है जमीन के अंदर अब ईमानदार सरकार को इस मास्टर प्लानिंग लोड की जांच करवानी चाहिए जहां पर सरकारी जमीन पड़ी है जो रिंग रोड के अंदर आती है उसे पर सड़क बननी चाहिए और जिसने भी रिंग रोड के अंदर कब्जा किया उसे तुरंत हटाना चाहिए क्योंकि यह भ्रष्टाचारी लोग जनता का धन डूबे होंगे क्योंकि मुख्यमंत्री आवास योजना के अधीन जो भी प्लॉट या बांग्ला मिलता है या बिकता है उसकी रेट सरकार तय करती है क्योंकि एक प्लॉट की रेट वह बंगले की रेट सरकारी निर्धारित करती है फिर वेद का सर्टिफिकेट दिया जाता है हो सकता है इस योजना में रेरा का सर्टिफिकेट हो ही नहीं सकता पर जब इस जमीन मालिक वह भूमपियों ने हरदी पर कर दी की रेट अपने मर्जी मुताबिक लगने लगे लोगों से एक मकान की रेट 30 लख रुपए के करीब ले रहे हैं जिसकी रेट सरकार के अनुसार 10 लाख के अंदर होनी चाहिए वह छोटे मकान की रेट यह करीब 21 22 लख रुपए वसूल कर दे जिसकी सरकार को ?700000 के अंदर अंदर वह सब्सिडी अलग दी जाती है क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना के अधीन हर मकान की करीब पूना 3 लाख के करीब सब्सिडी जाती है वह भी यह लोग सीधी का जाएंगे आम जनता तक पहुंचने नहीं देंगे क्योंकि इनको पता है यहां की जनता बोली वाली इसको लूटने में लगे रहेंगे करोड रुपए की जमीन फोकट में मिल रही है क्योंकि उन्होंने सरकारी फायदा उठाकर सरकार को चूना लगाने की पूरी कोशिश की नगर पालिका के अधिकारी वह कुछ यहां के नेताओं की वजह से सेगमेंट की जनता के साथ धोखा हो रहा है यह मास्टर प्लान रिंग रोड के अंदर जमीन आई हुई है इसके बाद भी प्रशासन नहीं सुधर रहा है इनको पता है की अधिकारी धन के बल पर बिक जाते हैं वह नेताओं को कुछ लोग देकर अपने फायदे के लिए उल्टे सीधे काम करवा रहे थे उल्टा यह भूमपिया पत्रकारों को धमकाने की कोशिश करते हैं जब कोई पत्रकार अखबारों में उनके बीच लगते हैं तब इन्हें कहते हैं कि मैं आपके खिलाफ झूठा मुकदमा करवा कर फसाऊंगा क्योंकि यह लोग महाराष्ट्र में यही काम करते हैं कि मेरे पास सीकर साइड के गुंडे हैं मरवा दूंगा तुम्हें क्योंकि इनके और भी प्रोजेक्ट है जो राजस्थान के अंदर वह भी नियमों के विरुद्ध मकान बने हुए साइड बैग इन्होंने नहीं छोड़ी मकान बना दिए गए क्यों नुकसान पहुंचा रहा है जनता को क्योंकि अगर प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा लेकर मुख्यमंत्री जन आवास योजना के अंदर मकान बना रहे हैं तो सरकार को वह जनता को बड़ा चुनाव लगावे क्योंकि इनको पता है दुनिया की जनता किसी को कुछ नहीं पूछता सीधा उल्टा सीधा काम करवाने में लगे रहते हैं क्या इनके बीच कोई कार्रवाई होगी या फिर ऐसा ही चलता रहेगा क्या इस जमीन को मास्टर प्लान रिंग से हटाई जाएगी या मास्टर प्लानिंग रोड हटाया जाएगा देखते हैं पालिका प्रशासन मिलकर क्या करते हैं इन्होंने जो फर्जी वाला कर के ऊपर अलग-अलग नक्शा बनाकर गायब किया है अब वास्तविक स्थिति की जांच करवाई जाए बड़े उच्च अधिकारियों से नामकरण करवाया जाए तब जाकर पता चलेगा की मास्टर प्लानिंग रोड कहां से निकलता है प्रशासन को जहां से रिंग रोड की शुरूआत होती है वहां से लेकर जहां और तकरीर रोड जाता है उसकी नापित ओ करवाया जाए जिसने भी इंदौर पर कब्जा किया उनके विरुद्ध कार्रवाई कर जो भी अतिक्रमण है उसे सड़कों की भूमि जनता को बेचकर खा जाएंगे क्योंकि यहां के दलाल लोग तो यही चाहते हैं कि यहां की जनता जय बाड़मेर हमारा पैसा आना चाहिए देखते हैं

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का भीलवाड़ा दौरा

द पुलिस पोस्ट

आज जैन संत आचार्य राम मुनि के किए दर्शन
सांसद दामोदर अग्रवाल के निवास पर मीडिया से हुए रूबरू लिया कांग्रेस को आडे हाथ
दिया बड़ा बयान बनाए नये ज़िलो में से निरस्त हो सकते छ से सात ज़िलेङ्घ..?????
निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी के भाजपा की सदस्यता लेने के सवाल परकहा-'विपक्ष का काम है मुद्दा उटाना
'वह विपक्ष में है, तो और क्या करेंगे,विपक्षी तो मुद्दे ढूंढेगा'
'...लेकिन उनके पास कोई मुद्दा है नहीं, कांग्रेस के पास में कुछ भी नहीं है'
'उनका काम केवल कमी निकालना है और वो कमी निकाल रहे हैं'
'कमी ढूंढो, सही सुझाव दो, हम स्वीकार करने के लिए तैयार है'
'...लेकिन केवल विरोध करना है, इसलिए विरोध कर रहे हैं'
'कहीं से कुछ भी मिले उस पर विरोध करना है, यह क्या मुद्दा है'
'वह अपना परिवार संभाले, उनका अपना काम करें'कहा-'सदस्यता देना या ना देना इसका अधिकार हमारे पास सुरक्षित है'
'केवल मिस्ड कॉल मारकर कोई व्यक्ति बीजेपी का सदस्य नहीं बन जाता है'
'ऐसे तो कोई भी आतंकवादी हमारा सदस्य बन जाएगा'
'हालांकि कोठारी ने सदस्यता ली है या नहीं, ये हमने केवल सुना है'
'हमारे पास ऐसी कोई सूचना नहीं है,ऐसे तो कोई भी अवांछित व्यक्ति सदस्य बन जाएगा'
'इसलिए सदस्यता सोच विचार कर दी जाती है,पार्टी में सदस्य बनने पर वेरिफिकेशन होता है'
'ऐसा नहीं कि किसी ने मिस कॉल दिया और सदस्य बन गया'
'ऐसे तो मिस कॉल देकर कोई आतंकवादी हमारा सदस्य बन जाएगा'
'जिसे हम स्वीकार नहीं करेंगे,इसलिए सदस्यता देने का अधिकार अध्यक्ष के पास सुरक्षित है'

नये जिलों के लेकर भीलवाड़ा में मदन राठौड़ का बड़ा बयान

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कहा-'6-7 नए जिले खत्म करेंगे'
'सांचौर-केकड़ी विधानसभा को तुष्टीकरण के लिए जिला बना दिया'
'तत्कालीन सरकार ने कई गलत जिले बना दिए'
'एक-एक विधानसभा के जिले बना दिए गए'
'सांचौर एक विधानसभा का जिला है,केकड़ी सहित ऐसे कई जिले बना दिए'
'...जो सिर्फ तुष्टीकरण करने के लिए बनाए गए हैं, हम इन्हें हटाएंगे'
'इसके लिए हमने एक कमेटी बनाई है, जिसने अध्ययन भी किया है'
'हालांकि कई जिलों की मांग वाजिब है, लेकिन जिनकी मांग नहीं है, उन्हें हम हटाएंगे'
'जिनकी जरूरत नहीं है, वहां क्यों जिले बनाए गए'
'सिर्फ जनप्रतिनिधियों को खुश करने के लिए कुछ जिले बना दिए गए'
'जनता में भी इसका विरोध है,ऐसे 6-7 जिले हैं, जिन्हें हम समाप्त करेंगे'
आज भीलवाड़ा में जैन संत आचार्य राम मुनि के दर्शन करने पहुंचे थे राठौड़
इस दौरान सांसद दामोदर अग्रवाल के घर पर मीडिया से हुए थे रूबरू

पोस्टमार्टम करवाने को लेकर परिजनों ने चिकित्सकों पर लगाए मिलिभगती के आरोप

द पुलिस पोस्ट

आज सुबह शहर के एक बड़े निजी अस्पताल में भर्ती बालिका की उपचार के दौरान हुई मौत के बाद पोस्टमार्टम करवाने को लेकर परिजनों ने चिकित्सकों पर मिलिभगती के आरोप लगाते हुए कहा की इनकी मिलिभगती से पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी कुछ नहीं आएगा। क्योंकि आगे पोस्टमार्टम करने वाला भी एक चिकित्सक ही है और जिसकी लापरवाही से एक मासुम को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, वो भी एक चिकित्सक ही है। कभी एक चिकित्सक दुसरे चिकित्सक के खिलाफ वो रिपोर्ट कभी नहीं बनाएगा। जिससे उसका पेशा खतरे में पड़े। इसलिए हमें किसी तरह का पोस्टमार्टम नहीं करवाना है और ना ही हमें किसी तरह के मुआवजे की मांग है। हमारी सिर्फ एक ही मांग की दोषी चिकित्सक और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई हो। जिससे भविष्य में किसी मासूम को अपनी जान नहीं गंवानी पड़े और एक मासुम के साथ न्याय हो। घटनाक्रम के अनुसार परिजनों द्वारा दी गई पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है की सांवरमल बलाई निवासी सुभाषनगर ने उसकी पुत्री अर्पिता बलाई को उल्टी की शिकायत पर कोटा बाईपास रोड स्थित केशव पोरवाल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था। लेकिन इलाज के दौरान किसी भी सीनियर चिकित्सक द्वारा अर्पिता को नहीं देखा गया। और सुबह स्टाफ द्वारा परिजनों को कहा गया की यहां पर वेल्टीनेटर नहीं है। इसको इलाज के लिए उदयपुर ले जाओ। लेकिन अर्पिता ने उदयपुर निकलने से पहले ही हॉस्पिटल के गेट पर दम तोड दिया। जिसे देख परिजन सकते में आ गए और हॉस्पिटल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामें की सुचना पर मौके पर पहुंची थाना सुभाषनगर पुलिस ने परिजनों से समझाइश की और मृतका का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने को राजी किया। पुलिस का कहना था की परिजन अगर पोस्टमार्टम के लिए राजी नहीं होते हैं तो हम किसी तरह की कार्यवाही नहीं कर सकते।

लापरवाह स्टाफ पर नहीं होती ठोस कार्यवाही

शहर में संचालित निजी अस्पतालो मे आए दिन कोई ना कोई भर्ती मरीज स्टाफ की लापरवाही से उपचार के दौरान दम तोड देता है और परीजनो द्वारा हंगामा कर चिकित्सालय प्रबंधन पर कार्यवाही की मांग भी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में ठोस कार्यवाही नहीं होने से फिर किसी ना किसी हॉस्पिटल में कोई ना कोई दम तोड देता है। जिसकी बड़ी मुख्य वजह की बात करें तो कई निजी अस्पताल में अनट्रेंड (अकुशल) स्टाफ द्वारा उपचार किए जाने की बात सामने आती है।

सफाई के नये ठेके के अभाव में शहर के आधे हिस्से में सफाई व्यवस्था ठप्प

हर माह के लाखों रुपए सफाई के नाम के उठ रहे है फिर भी बीमारी का डर

द पुलिस पोस्ट

सिरोही, शहर में सफाई व्यवस्था के नाम पर प्रतिमाह लाखों रुपए का भुगतान करने के बावजूद पर्याप्त सफाई नहीं होने से आम लोगों की आयेदिन शिकायतों पर नगर परिषद सिरोही ने शहर के आधे हिस्से के सफाई कार्य और कचरा परिवहन के नये सफाई ठे-के की निविदा प्रक्रिया शुरू करने के साथ बताया जा रहा है कि टेण्डर खोलने पर सरकारी रेट से कम रेट में सफाई ठेका लेने वाले पर अविश्वास जताया जा रहा है और अभी तक नये सफाई ठेके का वर्क आर्डर जारी नहीं किया जा रहा है शहर का आधे हिस्से वाले जोन में जहां सफाई व्यवस्था ठेकेदार से करवाया जाता रहा है उक्त शहर का आधा भाग कचरें गदंगी के ढ़ेर एवं नालीयो में पसरी गदंगी उठती बदबू से आम लोग त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे है लेकिन नगर परिषद का कांग्रेस बोर्ड और जनप्रतिनिधि एवं आयुक्त बेफिक्र नजर आ रहे हैं सफाई व्यवस्था जैसे संवेदनशील मुद्दे पर नगर परिषद सभापति आयुक्त कोई हल निकाल नहीं सकें है वर्षा के बीच गली मोहल्लों सड़कों पर लगें कचरें के ढेरों से उठती बदबू से लोगों को आस पास रहना मुश्किल हो गया है नगर परिषद के एस आई महावीर भाई से कचरें गदंगी के ढ़ेर को लेकर अवगत करवाने पर आज ही ढेरों को हटाने के लिए जेसीबी ट्रेक्टर मोके पर भेजे गए और गदंगी हटाने का काम शुरू किया ज्ञात रहे शहर के आधे हिस्से में सफाई के नाम प्रतिमाह लगभग पच्चीस लाख रुपए का भुगतान ठेकेदारों को करने के बावजूद सफाई व्यवस्था बेपटरी बनीं हुई है जिसका एक बड़ा कारण कमिशन की बंदरबांट होने से सफाई ठेकेदारों द्वारा जिन गली मोहल्लों में प्रतिदिन सड़क नाली झाड़ी की सफाई व्यवस्था करनी होती है उन क्षेत्रों में किस प्रकार से सफाई व्यवस्था होती है कितने दिन में सफाई कर्मचारी आते हैं यह गली मोहल्लों के लोग बखुबी जानते हैं और संम्बन्धित वार्ड पार्षद को सफाई व्यवस्था नहीं होने की शिकायते भी करते हैं अगर नियमित सफाई व्यवस्था हो जायेगी तो खामोश रहने वालों के हाथों क्या आयेगा नगर परिषद की बागडोर अनुभवहीन लोगों के हाथों सोपने और अस्थाई 15 दिनों के चार्ज वाले आयुक्त से अव्यवस्थाओं में उबाल आ चुका है यह अस्थाई आयुक्त लगाने का क्रम पिछले पांच सालों से चल रहा है!

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के.सिन्हा

हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से आईआईटी/एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना

ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ० गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, 'छुप- छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।' सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है ।

जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25% अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36% अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

पुतिन का सकारात्मक रुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस और यूक्रेन की यात्रा के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को ब्लादिवोस्तक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि वह यूक्रेन के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। उनके इस सकारात्मक रुख से आशा जगी है कि यूक्रेन संघर्ष आने वाले दिनों में व्यापक रूप नहीं लेगा। अमेरिका और नाटो सैनिक संगठन के देशों ने यदि गैर-जिम्मेदाराना रवैया नहीं अपनाया तो संवाद और कूटनीति के जरिए यूक्रेन संघर्ष का समाधान संभव है। शांति वार्ता की जमीन तैयार करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स के तीन सदस्य देशों भारत, चीन और ब्राजील को शामिल किया है। उनका विश्वास है कि यह तीनों देश संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईमानदारी से कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के बारे में राष्ट्रपति पुतिन का यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब अगले महीने यानी अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में होने जा रहा है। इस शिखर वार्ता में मोदी और पुतिन के बीच वार्ता संभावित है। ऐसा संभव है कि यह तीनों नेता यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कोई योजना तैयार करें। राष्ट्रपति पुतिन ने ईईएफ को संबोधित करते हुए युद्ध की शुरू आत में ही इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच हुई शांति वार्ता से संबंधित समझौते का जिक्र किया जो अमल में नहीं आया। यह समझौता आगे की शांति वार्ता का आधार बन सकता है। यूक्रेन संघर्ष के समाधान में चीन और ब्राजील के मुकाबले भारत की भूमिका ज्यादा प्रमुख हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से स्पष्ट शब्दों में कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं है। इसी तरह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी कहा कि भारत ने कभी तटस्थता की नीति का अनुसरण नहीं किया। इस पूरे मामले में भारत का रूप स्पष्ट है। वह दोनों पक्ष की सहमति के बाद ही मध्यस्थ बन सकता है। किसी भी शांति में प्रक्रिया में भारत इसी शर्त पर शामिल हो सकता है जब राष्ट्रपति जेलेंस्की भी इसके लिए तैयार हों। अब आगे देखिए होता है क्या?

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

विश्व मैत्री दिवसः क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

ललित गर्ग

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है- 'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है।

मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा- 'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। 'क्षमा वीरो का भूषण है'-महान व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन' -श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-'मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है।

पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-निरोगी-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे।

तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना-अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है-'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी।

मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- 'पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। विश्व मैत्री दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि मित्रता में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह।

अमेरिका में मोदी यूनुस मुलाकात

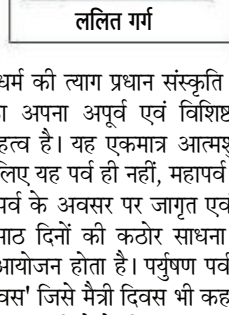

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में तख्ता पलट के एक महीने बाद ही यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश की शोर जा रहा है। अमेरिका के समर्थन से सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस देश में लोकतंत्र की स्थापना करेंगे अथवा सेवा की कठपुतली बने रहेंगे यह भी अभी साफ नहीं है। कहने के लिए यूनुस नोबेल पुरस्कार विजेता और गरीबों की खुशहाली के लिए आर्थिक क्रांति का वाहक बनने वाले व्यक्ति हैं लेकिन, हाल के वर्षों में उनकी गतिविधियां संदिग्ध रही हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस के कारनामों की जांच कर कर उन्हें हाशिये पर कर दिया था। छात्र आंदोलन के नाम पर देश में अराजकता पैदा कर यूनुस को अब शेख हसीना से बदला लेने का मौका मिला है। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भी इस फिराक में हैं कि वह नई हुकूमत के जरिए अपने भू राजनीतिक हितों को पूरा करें।

यूनुस के हालिया बयान भारत के लिए चिंता पैदा करते हैं। इतना ही नहीं मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन और रॉकेट हमले से सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए

हैं। भारत को अब दोहरे खतरे का सामना है। एक और पड़ोस में पाकिस्तान जैसा एक विरोधी देश है वहीं मणिपुर सहित पूरे पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो गई हैं। यूनुस के हालिया बयानों से पता चलता है कि वह एक अपरिपक्व और गैर जिम्मेदाराना नेता हैं। वह भारत से मांग कर रहे हैं कि शेख हसीना को उनके कथित अपराधों के लिए बांग्लादेश को सौंपा जाए। उनका यह भी कहना है कि यदि शेख हसीना भारत में ही रहती हैं तो उन्हें अपना मुंह बंद रखना होगा। यूनुस, कट्टरपंथी जमाते इस्लामी और हिफाजत इस्लाम जैसे संगठन बांग्लादेश का नया इतिहास लिख रहे हैं। इसमें 1971 के मुक्ति संघर्ष का अवमूल्यन किया जा रहा है। मुक्ति वाहिनी के योद्धाओं और भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को मिटाने की कोशिश की जा रही है।

आज के माहौल में इस तरह के कुकृत्यों के खिलाफ विरोध करना आसान नहीं है। फिर भी बांग्लादेश का मौन बहुमत धीरे-धीरे अपनी आवाज बुलंद करने की कोशिश कर रहा है। हाल में पूरे बांग्लादेश में लाखों लोगों ने राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' का सामूहिक रूप से गायन किया। यह यूनुस और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को पहले चेतावनी है। उल्लेखनीय है कि जमाते इस्लामी गुरु देव रविंद्र नाथ टैगोर विरचित राष्ट्रगान को बदलना चाहती है। जाहिर है उसकी मंशा एक ऐसे मुल्की तराने की है जिसमें इस्लाम का गौरव गान हो।

वास्तव में पड़ोसी देश में इस समय बंगाली अस्मिता और इस्लामी पहचान के बीच संघर्ष चल रहा है। आश्चर्य की बात है कि अमेरिका जैसे पश्चिमी देश इस्लामी पहचान की वकालत करने वाली ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। इतना ही नहीं भारत सहित अनेक देशों के लोकतंत्र और उदारवाद समर्थक बुद्धिजीवी भी नई हुकूमत के समर्थन में तर्क दे रहे हैं। ये लोग इस हकीकत को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस्लामी कट्टरपंथ का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को धर्मांधता की ओर धकेल देगा। सबसे भयावह स्थिति यह बन सकती है कि बांग्लादेश नया अफगानिस्तान या सीरिया बन जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मोहम्मद यूनुस इस महीने के उत्तरार्द्ध में अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। उन्हें संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में भाग लेना है। यूनुस यह चाहेंगे कि मोदी से उनकी मुलाकात हो जिसमें वह भारत के साथ रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश करें। अमेरिका की ओर से भी प्रधानमंत्री मोदी पर यह दबाव होगा कि वह बांग्लादेश के प्रति अपना रु ख नरम करें। अमेरिका के लिए बंगाल की खाड़ी में अपने भू-राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध सामान्य रहे। मणिपुर में हालिया हमलों से यह संकेत मिलता है कि बांग्लादेश और सीमावर्ती म्यांमार इलाके से भारत के खिलाफ। भारत के खिलाफ तोड़-फोड़ की कार्रवाई शुरू हो सकती है। यदि यह जारी रहती है तो भारत कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सैन्य रूप से भी इनका मुकाबला करेगा।

प्रशासन शहरो संग अभियान में हुए पट्टो खाँचा भूमि स्टेट ग्राउन्ड पट्टे वाणिज्यिक बिल्डिंग की जाँच उच्च स्तरीय होनी चाहिए

रिको मे आवासीय बंगले बनाकर जनता के जीवन खतरे मे व धोखाधड़ी करने वालो के विरुद्ध कारवाई होनी चाहिए

नगर पालिका की मिली भक्ति से मास्टर प्लान शिवगंज सुमेरपुर मे हैराफैरी कर गुलाब कोठारी के आदेश की धजिया उडाई जा रही है

औधोगिक फैक्ट्री मे आवासीय करना ही नियमों के विपरीत है रिको की जगहों पर फ्लोट काटकर बंगला बनाकर जनता के जीवन खतरे डालने समबन्धित

उच्च न्यायालय गुलाब कोठारी के आदेशों की कब कारवाई करेंगे नही तो सैकड़ों लोगों की जान जाएँगी

उच्च न्यायालय $ गुलाब कोठारी के आदेशों की धजिया उडा रहे है

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज नगर पालिका में एक अनोखा खेल और चल रहा है शिवगंज भगवान शिव की नगरी के नाम से जाना जाता है यह शहर पर कुछ भूमाफियाओं ने अपने फायदे के लिए भगवान शिव का नाम बदनाम करने की कोशिश की जा रही है क्योंकि भगवान शिव का जहां नाम आता है वहां पर ईमानदारी से कार्य किया जाता है पर इन लोगों ने तो बेईमानी का काम पर भगवान शिव को बदनाम करने का कार्य कर रहे हैं शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के बड़गॉव ग्रामीण क्षेत्रों में कामबेश्वर रोड पर एक मुख्यमंत्री जन आवास योजना बन रही है जो राजस्थान सरकार से एप्रूव्ड है पर इन्होंने सबको गुमराह करके यह स्वीकृत किया है क्योंकि यह योजना मास्टर प्लान रिंग रोड के बीच में है बीच में होकर मास्टर प्लान रिंग रोड निकल रहा है वह जोधपुर वरिष्ठ नगर नियोजन के अधिकारियों ने बडी रकम लेकर चेटिग हुई है भूमाफियाओ व अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर फर्जी पट्टा जारी कर दिया इसके कॉर्नर के अंदर थोड़ा सा भाग ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना के अंदर आता है पर भू माफियाओ व पालिका प्रशासन के अधिकारियों ने मिलकर इसके साथ घोटाला कर सड़क मास्टर प्लान जमीन को इधर-उधर कर यह प्लान स्वीकृत करवा दिया जो नहीं हो सकता क्योंकि मुख्य टाउन पलानर जयपुर द्वारा पहले जिसकी जांच की गई रिंग रोड के बीच में होकर निकल रहा था पर भ्रष्टाचारी जोधपुर में इस प्लान को स्वीकृत कर दिया क्योंकि बड़ी रकम लिए जहां पर जमीन है वहां पर आज भी रिंग रोड निकल रहा है क्योंकि सड़क को इधर से उधर बताया जा सकता है पर मास्टर प्लान की सड़क इधर-उधर नहीं कर सकते 30 सालों के अंदर और जमीन को उधर नहीं कर सकते हैं क्योंकि जो जमीन इस योजना के अंतर्गत बताई जा रही है वह जमीन वहीं पर है मास्टर प्लान रिंग रोड भी वहीं पर है सर्किल भी वहीं पर है सर्कल का चारो तरफ का रेडियस 15 मीटर होता है वह वहां पर ही है जो इस जमीन के बीचों-बीच आता है पर उन्होंने वहां पर नहीं बताकर लोगों के साथ धोखा किया है इस जमीन के आगे बिलानाम सरकारी जमीन है जो साईज 200/ 200 वर्ग फिट जमीन आज भी पड़ी है उसके बीच में होगा इन्होंने योजनाओं में जाने का रास्ता भी दे दिया कौन होते हो तुम जो रास्ता दे सकते हो सरकारी जमीन का रास्ता जिला कलेक्टर या संभागीय आयुक्त महोदय द्वारा दिया जाता है पर यह खुद देकर यह बता रहे हैं

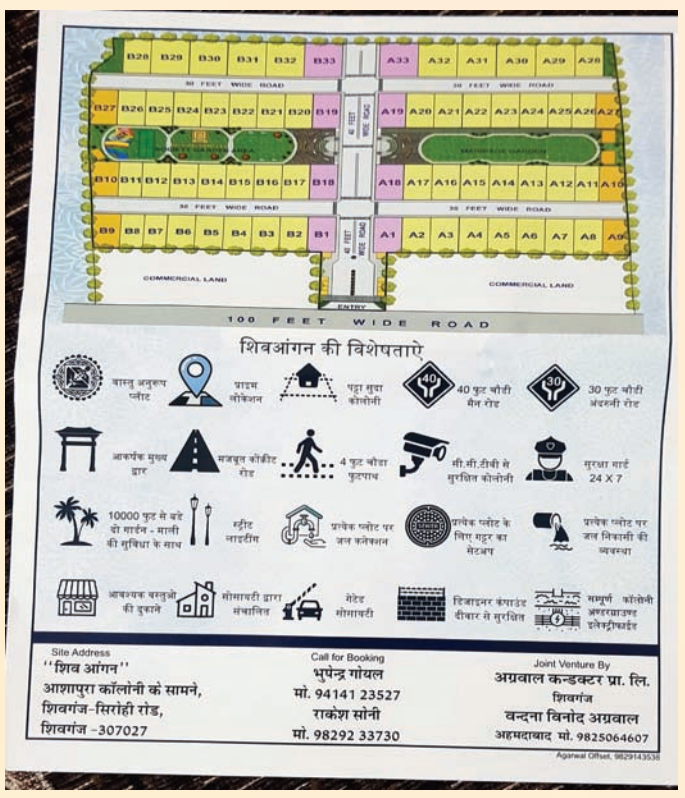

कि हम ईमानदारी से काम कर रहे हैं पर इन्होंने बिलानाम जमीन को भी नहीं छोड़ा तो दूसरी जमीनों को क्या छोड़ेंगे किसी योजना के बाद में शिवगंज केसरपुरा औद्योगिक क्षेत्र के बीच में मास्टर प्लान बनाने वाले दलालों व शमार्जी मास्टर प्लान के बीच में जहां पर फैक्ट्री लगी हुई थी पुरानी फैक्ट्री थी वहां पर उन्होंने आवासीय योजना को स्वीकृत करना पालिका प्रशासन वरिष्ठ नगर नियोजन के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी सिर्फ उन्होंने अपना बड़ा कमीशन लेने वह शहर के पूर्व विधायक द्वारा उल्टे सीधे काम करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ना क्योंकि विधायक के खासमखास की गिनती में आते हैं क्योंकि इन्होंने सिर्फ एक काम किया है की शहर का सत्यानाश कैसे हो वैसे कर रहे हैं क्योंकि मास्टर प्लान में हेरा फेरी करना क्योंकि इसी बंगलो के पीछे पास में वह आसपास में आज भी बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां लगी हुई है जिसका प्रदूषण इस जमीन में रहने वालों के लिए मुश्किल में जहरीला पदार्थ व धुओ से जीवन समाप्त कर देंगे क्योंकि प्रदूषण फैक्ट्री का जहरीला भी होता है पर इनको कौन समझाए क्योंकि यह सेठ लोगों को सिर्फ धन चाहिए क्योंकि पहले तो मास्टर प्लान में हेरा फेरी कैसे कर दी क्योंकि मुख्य नगर नियोजन जयपुर स्वायत्त शासन मंत्री पूर्व शांति धारीवाल मुख्य नगर नियोजक पूर्व आर के विजयवर्गीय व जोधपुर वरिष्ठ नगर नियोजक ओम प्रकाश पारीक और यहां पर जो मास्टर प्लान बनाया था चुन्नीलाल जो लावण्य वाले शमार्जी का दलाल था उसने इस जमीन मालिक से बड़ी रकम लेकर मास्टर प्लान में हेरा फेरी कर दी जहां पर फैक्ट्री थी वहां पर आवासीय बताना गुलाब कोठारी व हाई कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाने का कार्य ही किया है इन्होंने गुलाब कोठारी / हाई कोर्ट के आदेश की धजिया उड़ना शिवगंज नगर पालिका प्रशासन संपूर्ण रूप से दोषी है उसके बाद प्रशासन शहरों की और अभियान चालू होते ही इन भू माफियाओ ने मिलकर बड़ा झोल किया है वहां इस जमीन का प्लान स्वीकृत कर दिया क्योंकि यह नेशनल हाईवे पुराना जो नेशनल हाईवे नंबर 14 था पर उन्होंने उसे हाईवे को 100 फीट सड़क बता दिया ऐसे कर दिया इन्होंने यह सड़क तो इन्होंने के द्वारा बनाया हुआ लगता है नेशनल हाईवे 14 जो 200 फीट चौड़ा सड़क है इसको 100 फिट बताना मतलब कितना गलत है वह इन्होंने प्रोजेक्ट के बीच में आवासीय बताना वह इसी रोड के किनारे पर वाणिज्य बताना कितना गलत है ईस जमीन मे जाने वाले रास्ते की मुख्य सडक 60 फिट व पास की सडक 40 फिट व फैसेलिटी विधुत ट्रांसफार्मर व पानी की टंकी मोबाइल टोवर सहित ओपन लैण्ड भूमि व फैसेलिटी व अन्य योजना कहाँ गई कितना धन दिया होगा ईन भष्ट्राचारीओ ने क्योंकि इन्होंने पालिका को तो अपनी दुकाने समझकर कर उल्टे सीधे काम करवा दिए इसका पट्टा भी फजीर्वाड़ा में बना दिया होगा 69 क का पट्टा बनवा दिया होगा पर यह उद्योग औधोगिक में था क्योंकि औद्योगिक से सीधा आवासीय में होना कितना गलत काम है वह सीधा आवासीय में कन्वर्ट करना बंगलो की स्वीकृतियां दिलवाना सब फजीर्वाडा करने में इन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि आर के विजयवर्गीय शांति घारीवाल वह पूर्व विधायक तीनों एक ही वर्ग से है वह यह जमीन मालिक भी इनके पार्टनर है उल्टा सीधा काम करने में वह भ्रष्टाचार करने में आर के विजयवर्गीय शांति धारीवाल एक ही सट्टा बट्टा है के छोटे-छोटे एक है क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार करने में छोड़िए राजस्थान का सत्यानाश करने में यह दोनों एक होकर राजस्थान को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी वैसे ही उन्होंने शिवगंज में इनके पूर्व विधायक द्वारा जो उल्टे सीधे कार्य किए है जो किसी ने आज तक नहीं किया क्योंकि सबसे बड़ा घोटाला इसी जमीन में भी हुआ है और तो कई जगह पर हुए हैं क्योंकि इनकी चुनाव में इन सैठो की गाड़ियां वह उनके धन से ही यह चुनाव लड़ते हैं अहमदाबाद वह बड़ौदा में विधायक को धन दिलवाने यहीं ही है हमें चाहिए परिवार सपोर्ट करता है तो इनका उल्टे काम के लिए यह लोग सपोर्ट क्यों नहीं करेंगे क्योंकि इनका वह अगला दो टुकड़े को तो आवासीय बताना बहुत ही गलत किया वहां पर फैक्ट्री होनी चाहिए पर कौन समझाए इनको क्योंकि पालिका प्रशासन द्वारा जो फजीर्वाडा किया वह गुलाब कोठारी के आदेशों की धजिया उडाई जा रही है इसके लिए ईनको सीधी जेल होनी चाहिए वह यह अधिकारी वह पालिका अध्यक्ष को सीधी जेल होती जैल मे चने गिनकर खाने पडते हैं

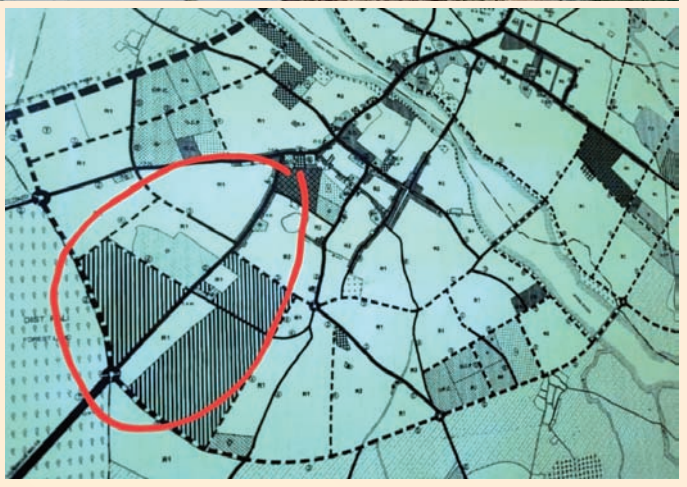

इनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका में जो उल्टा सीधा काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है वैसे ही भ्रष्टाचार करने का सारा रिकॉर्ड तोड़ दिया शहर से गुजरने वाला नेशनल हाईवे नंबर 14 का सड़क 200 फीट छोड़ा है उसको 100 फीट का इन्होंने बताकर वह उनके कुछ टाइम पहलें दो बड़े रिको फैक्ट्री जो कैसे पूराने नेशनल हाइवे नम्बर 14 के अंदर औद्योगिक क्षेत्र बना हुआ है सैकड़ो बिधा जमीन में बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां लगी हुई है इन फैक्ट्री के बीच में होकर यह नेशनल हाईवे निकलता है वह सामने की तरफ एक बड़ी गौशाला है इन्होंने अपने कागजों के अंदर गौशाला न बताकर आशापुरा टाउनशिप बताना कितन

कमीशन के लिए मरीजों को प्राइवेट अस्पताल भेजने का आरोप

एनएसयूआई ने प्रदर्शन कर सीएमएचओ का घेराव कर ज्ञापन सौंपा, महात्मा गांधी हॉस्पिटल का मामला

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में कार्यरत स्टाफ द्वारा मरीजों को कमीशन के चलते प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजने का मामला सामने आया।

इसको लेकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया और दोषी कर्मचारी के खिलाफ 7 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष भावेश कुमार पुरोहित के नेतृत्व में आज महात्मा गांधी हॉस्पिटल के सीएमएचओ एवं पीएमओ ऑफिस का घेराव कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नाम ज्ञापन दिया गया। पुरोहित ने बताया कि भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी हॉस्पिटल में कार्यरत नर्सिंग स्टॉफ महावीर खटीक व अन्य ने कर्मचारी अपने कमीशन के चक्कर में गरीब मरीजों को प्राइवेट हॉस्पीटल में भेज रहे हैं। ये गरीब व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं देते। उनको अपने स्वार्थ एवं कमीशन के चक्कर में शहर के प्राइवेट हॉस्पीटल जाने के लिए गुमराह करते हैं। वहां प्राइवेट हॉस्पीटल में ठगी कर नर्सिंग स्टाफ को कमीशन दिया जाता है।

इससे सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ इन गरीबों को नहीं मिलता और इलाज में इनकी बड़ी राशि लगती है। कोई मरीज या उसके परिजन आवाज उठाते हैं तो उनके साथ बदसलूकी की जाती है। आज हमने ज्ञापन दिया और हमे आश्वासन दिया कि इस घटना को लेकर सीएमएचओ द्वारा जांच कमेटी बनाई गई है। जिस कर्मचारी ने ऐसी घटना की है। उसे फिलहाल वार्ड से हटा दिया गया है। जांच कमेटी जल्द जांच करके कर्मचारी पर कार्रवाई करेगी। 7 दिन में उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

इनकी रही मौजूदगी

प्रदर्शन में कांग्रेस शहर महासचिव निसार सिलावट, राजकुमार खटीक, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अशफाक कुरैशी, सुनील पुरोहित, पप्पू खटीक, दिनेश जाट, अमजद शेख, रामस्वरूप जाट, भेरु जाट, तिलकराज खटीक, सोनु जाट, अजय बैरवा, मोनु कोली, कमेलश खटीक, अक्षीत, रेहान, साहिद, राजा, विकास रेगर, गिरीश, विपीन शर्मा, पवन भारती, कैलाश गाडरी, विकास जाट, सत्तू खारोल, सुरेश जाट, किशन, महिपाल जाट, सुनील, राहुल शर्मा, पुनम नाथ, सुरेन्द्र खटीक, मोहन खटीक, राहुल गोस्वामी, अंकित सेन, दिनेश मिणा, कैलाश कोली, आजाद माली, प्रेम जाट, लोकेश, दिलकुश जाट, राहुल जाट मौजूद थे।

कोटा ACB ने आकस्मिक चेकिंग में ईओ को पकड़ा

रेलवे स्टेशन पर बैग से 1 लाख 76 हजार रुपए मिले, ट्रेन में बैठकर जयपुर जाने वाला था

कोटा। एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) कोटा टीम ने प्रमोशन के दो दिन बाद ही बारां के जिला रसद कार्यालय के प्रवर्तन अधिकारी को पकड़ा है। उसके पास से 1 लाख 76 हजार रूपए बरामद हुए है। रिश्वत की रकम लेकर प्रवर्तन अधिकारी दिनेश चौबे जयपुर जा रहा था। ACB टीम ने टीम ने कोटा रेलवे स्टेशन पर आकस्मिक चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि राशन डीलरों से उसने रिश्वत के रुपए लिए। फिलहाल एसीबी की टीम पूछताछ में जुटी है।

एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया- बारां के जिला रसद कार्यालय के प्रवर्तन निरीक्षक दिनेश चौबे की ओर से क्षेत्र के राशन डीलरों से रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। एसीबी टीम ने उस पर नजर रखी।

ट्रेन में बैठने से पहले ही दबोचा

टीम को अधिकारी के जयपुर जाने की सूचना मिली। इस पर ने 4-5 जगह पर नाकाबंदी की गई। एसीबी की टीम कोटा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म -1 पर पहुंची। आज दोपहर 12 बजकर 45 मिनट के आस-पास अधिकारी ने रणथंभौर एक्सप्रेस का टिकट लिया। ट्रेन में बैठने से पहले ही अधिकारी को पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से बैग से रिश्वत की राशि 1 लाख 76 हजार रुपए मिले।

आरोपी के आवासों पर तलाशी

आरोपी बांदीकुई का रहने वाला है। परिवार जयपुर में रहता है। अब एसीबी की टीम आरोपी के बारां, बांदीकुई और जयपुर आवास की तलाशी में जुटी है। चौबे दो दिन पहले ही प्रमोशन लेकर प्रवर्तन अधिकारी बना है। रिश्वत की रकम के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जलभराव व सड़क की समस्या से तंग ग्राम पंचायत मूढ़ौता के लोगों ने किया प्रदर्शन

भरतपुर। सेवर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मूढ़ौता के गांव छापर में जलभराव की समस्या और पक्की सड़कें निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने उप सरपंच मनोहर लाल कुमावत के नेतृत्व मे विरोध प्रदर्शन किया।

लोगों का कहना है कि तीन गांव छापर कलां, छापर मंदिर व छापर खुर्द के लोगों को गांव तक जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं है। अधिक बरसात होने के कारण तीनों गांवों के कच्चे रास्ते भी कट चुके हैं। ग्रामीण अपने वाहन पड़ोसी गांव ततामड मूढ़ौता में खड़े करने को मजबूर हैं। यदि दो दिन के अंदर समाधान नहीं किया गया तो कलेक्टर ऑफिस पर धरना दिया जाएगा।

ग्रामीण चेतराम भलाई ने बताया आजादी के समय से ही गांव में सड़क नहीं बन सकी है जनप्रतिनिधि हर बार सड़कें बनवाने के वादे करते हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। गांव में आंगनबाड़ी केंद्र भी नहीं हैं जिससे प्रसूता व बच्चे कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। इस अवसर पर जय सिंह बालकिशन, धर्मो, दुर्गा सिंह, अमर सिंह, गोविंद, लोकेश, कुमारपाल, नारायण सिंह, गंभीर सिंह, ज्ञानेश सिंह आदि लोग मौजूद थे।

रामगंजमंडी पुलिस ने बाइक चोर को पकड़ा

लाइब्रेरी के बाहर दिया था वारदात को अंजाम, एक बाइक जब्त

रामगंज मंडी। रामगंजमंडी पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से बीते सोमवार को जलदाय विभाग ऑफिस के पास निजी लाइब्रेरी से सामने से बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। जिसके बाद रामगंज मंडी पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी सलमान पुत्र जमील भाई निवासी दरा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

आपको बता दे की सोमवार की सुबह 11 बजे सुकेत क्षेत्र के कोला निवासी भवानी सिंह निजी लाइब्रेरी में ऑनलाइन क्लासेज लेने आया था। जिसने अपने बाइक को लाइब्रेरी की पार्किंग में खड़ा किया था। कुछ समय बाद देखा तो बाइक पार्किंग से गायब मिली। ऐसे में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो एक चोर ने बाइक में मास्टर की लगाकर स्टार्ट कर चोरी कर ली। ऐसे में बाइक मालिक ने रामगंज मंडी थाने में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी जिसके बाद पुलिस ने चोर की तलाश शुरू कर दी थी।

जहरीला पदार्थ खाकर महिला ने जान दी

छह माह पहले ही हुआ था नाता विवाह, एसडीएम की मौजूदगी में हुआ शव का पोस्टमार्टम

भीलवाड़ा। छह माह पहले नाता विवाह करने वाली एक महिला की जहरीले पदार्थ के सेवन से हालत बिगड़ गई। परिजन उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पीहर पक्ष और एसडीएम की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। मामला बागौर थाना क्षेत्र के बोरियापुरा का है। यहां रहने वाली एक विवाहिता की जहरीला पदार्थ खाने के बाद हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला ने 6 माह पहले ही नाता विवाह किया था। इसलिए पुलिस ने एसडीएम की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बागौर थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया की टेलीफोन पर सूचना मिली की थाना क्षेत्र के बोरियापुरा में रहने वाले किशन सुथार की पत्नी हंसा सुथार (30) ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। जिसे इलाज के लिए भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने महिला का शव कब्जे में लेकर मॉर्च्यूरी में सुरक्षित रखवाते हुए महिला के पीहर पक्ष को सूचना दी। महिला को शादी को 6 माह ही हुए थे। इसलिए पुलिस ने एसडीएम रायपुर भरत जय प्रकाश मीणा और महिला के पीहर व ससुराल पक्ष की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। महिला ने सुसाइड क्यों किया फिलहाल पुलिस इसकी जांच कर रही है।

कांग्रेस को लगा झटका: निकाय उपचुनाव में वार्ड तीन से भाजपा के नंदकिशोर जीते

बीकानेर। 2019 के नगर निगम चुनाव में भाजपा के जो नंदकिशोर निर्दलीय उम्मीदवार से 100 वोटों से हारे थे उन्होंने उपचुनाव में कांग्रेस के नंदलाल को 902 वोटों से चुनाव हरा दिया। दरअसल इस वार्ड से पहले निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीते थे। उनके निधन के कारण पांच सितंबर को उपचुनाव हुआ। भाजपा के नंदकिशोर को 1750 वोट मिले। कांग्रेस के नंदलाल को 848 वोट हासिल हुए। इसके अलावा निर्दलीय गणेश कच्छावा को 451,जयसिंह को 12, लक्ष्मण कुमार को 260 वोट हासिल हुए। 19 वोट नोटा को मिले। कुल 3340 वैध मत पाए गए थे जिनकी गिनती हुई। वार्ड 3 से जीत के बाद नगर निगम में भाजपा के पास अब 40 पार्षद हो गए। इससे पहले 39 पार्षद थे। यानी कुल 80 वार्डों में 40 भाजपा के खुद के हैं। कांग्रेस और निर्दलीय शेष 40 में शामिल हैं। नगर निगम का जब कार्यकाल खत्म हो रहा ऐसे मौके पर भाजपा को मिली जीत स्थानीय समीकरण की बदौलत बताई जा रही है। जीत हासिल करने के बाद पार्षद नंद किशोर भाजपा कार्यालय और मेयर हाउस पहुंचे। जहां उनका स्वागत किया गया।

छात्राओं को नेत्रदान की उपयोगिता बताई

कोटा। जेडीबी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों व मेडिकल कॉलेज कोटा की ओर से राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमबीएस अधीक्षक डॉ. धर्मराज मीणा रहे। उन्होंने नेत्रदान पखवाड़े की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. घनश्याम मीणा ने लोगों में फैली नेत्रदान की प्रति भ्रांतियां को दूर किया। एमबीएस अस्पताल के नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मीणा ने 3डी मॉड्यूल द्वारा नेत्र की संरचना बताई। छात्राओं को बताया कि आंखों की ऊपरी परत कॉर्निया ही नेत्रदान में लिया जाता है। डॉ. प्रियंका ने पीपीटी के माध्यम से नेत्रदान की उपयोगिता बताई। इस दौरान प्राचार्य डॉ. अजय विक्रम सिंह, स्काउट गाइड के उप प्रधान यज्ञदत्त हाड़ा, नेत्र विभाग के चिकित्सक डॉ. जयश्री सिंह, डॉ. वंशिका अरोड़ा, डॉ. एकता करहाना, डॉ. पूजा कपाड़िया, डॉ. अनीता गाट, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. रेखा कलानी, डॉ. सरस्वती अग्रवाल मौजूद रहे।

भरतपुर टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची, प्री-क्वार्टर में डूंगरपुर टीम को हराया

भरतपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में आयोजित की जा रही राज्यस्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल मैच में भरतपुर की अंडर-16 टीम ने डूंगरपुर की टीम को 9 विकेट से हराते हुए बड़ी जीत हासिल की है एवं राज्यस्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुधन तिवारी ने बताया कि जयपुर के अरावली क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में भरतपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 50 ओवर के मैच मे डूंगरपुर की पूरी टीम 30 ओवर में मात्र 97 रन ही बनाकर ऑल आउट हो गई। आशीष प्रजापत ने 3, राज वाल्मीकि ने 2 विकेट लिए। भरतपुर की टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच आशीष प्रजापत को दिया गया। भरतपुर की टीम अब राजस्थान के क्वार्टर फाइनल में बीकानेर की टीम से 8 और 9 सितंबर को जयपुर के अरावली क्रिकेट मैदान पर दो दिवसीय मैच खेलेगी ।

सरकार चुनाव के मूड में नहीं लग रही

नवंबर में खत्म हो रहा बीकानेर समेत 3 नगर निगमों का समय, सरकार का रुख अधर में

बीकानेर। साल 2019 से 2021 तक नगर निगम और निकायों के चुनाव हुए थे। इस साल चरणबद्ध कार्यकाल खत्म होने का समय आ गया। नवंबर में बीकानेर, उदयपुर और भरतपुर नगर निगम समेत 46 नगर परिषदों और नगर पालिकों का कार्यकाल खत्म होने वाला है। सरकार चुनाव के मूड में नहीं लग रही। इसलिए बीकानेर नगर निगम में लगाए गए आईएएस से कयास लगाए जा रहे कि सरकार यहां प्रशासक लगाएगी।

दरअसल 2019 से 2021 तक लगातार निकायों के चुनाव चलते रहे। नवंबर 2019 में बीकानेर, भरतपुर और उदयपुर नगर निगमों के साथ करीब 46 और नगर परिषद, नगर पालिकाओं के चुनाव हुए। इसलिए नवंबर 2019 में जिन निकायों के चुनाव हुए उनका कार्यकाल अब सिर्फ ढाई महीना बचा है। हालांकि निकायों की आचार संहिता एक महीने पहले लागू कर चुनाव होते रहे हैं, इसलिए सरकार अभी भी यहां चुनाव करवा सकती है। वन-स्टेट-वन इलेक्शन के कांसेप्ट से प्रदेश के लोग हैरान हैं। इधर सरकार कोई रुख स्पष्ट कर नहीं रही। न तो ये निर्णय हो सका कि पंचायत और समस्त निकायों के चुनाव एक साथ होंगे और न ही जिन निकायों का कार्यकाल खत्म हो रहा वहां चुनाव की तैयारी है। पंचायत और निकायों के एक साथ चुनाव में सबसे बड़ी बाधा ईवीएम की है। सूत्र बताते हैं कि सरकार भले खत्म होने वाले कार्यकाल से पहले चुनाव कराए पर जहां कार्यकाल खत्म हो रहा वहां प्रशासक लगाने की तैयारी जरूर है। बीकानेर नगर निगम में कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले आईएएस मयंक मनीष को आयुक्त लगाना इसी बात का संकेत है।

जानें, कब किसका कार्यकाल खत्म हो रहा

- बीकानेर, भरतपुर और उदयपुर नगर निगम का 26 नवंबर 2019 को कार्यकाल पूरा हो रहा है। इस दिन तीनों मेयरों का चुनाव हुआ था। इसके साथ ही 46 नगर परिषद-नगर पालिकाओ का भी चुनाव हुआ था।

- जयपुर के दो, जोधपुर के और कोटा के दोनों नगर निगमों का चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। इसलिए इनका कार्यकाल अगले साल नवंबर में खत्म होगा। क्योंकि 2020 में ही इन तीनों जगह दो-दो निगम किए गए थे।
- दिसंबर 2020 में करीब 50 नगर परिषद और नगर पालिकाओं के चुनाव हुए थे।
- अजमेर नगर निगम समेत करीब 90 नगर परिषद और नगर पालिकाओं के चुनाव हुए थे। इसी सूची में बीकानेर की श्रीडूंगरगढ़, नोखा, देशनोक नगर पालिका का चुनाव हुआ था। इस साल इन तीनों के साथ खाजूवाला नगर पालिका का भी चुनाव होगा। अगर समय पर लूणकरणसर और नापासर नगर पालिका के गठन की प्रक्रिया हो गई तो यहां भी चुनाव संभव हैं।

बीडीए गठन की प्रक्रिया के लिए अपर्णा को यूआईटी में भेजा

नगर विकास न्यास में आईएएस को सचिव शायद ही कभी बनाया गया हो पर इस बार आईएएस अपर्णा गुप्ता को भेजा गया। सरकार ने अपर्णा को भेजकर स्पष्ट कर दिया कि बीकानेर विकास प्राधिकरण की जो प्रक्रिया शुरू होनी है वो आईएएस की ही देखरेख में होगी क्योंकि आगे चलकर बीडीए कमिश्नर आईएएस को ही लगाया जाना है। क्योंकि बीडीए में तमाम सर्वे, बीडीए का नया कानून, धाराएं, उपधाराओं के अलावा बोर्ड का गठन समेत तमाम काम करने हैं। इसके अलावा बीडीए की सीमा, अधिग्रहण से लेकर योजना जैसे काम करने हैं इसलिए सरकार ने अभी से आईएएस लगाकर इस पर काम शुरू कर दिया है।

मारुति सुजुकी वैगन-आर सीएनजी पर विशेष ऑफर

भरतपुर। मारुति सुजुकी इंडिया के वाहनों के अधिकृत डीलर टीएम मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड पर मारुति सुजुकी वैगनआर सीएनजी के प्रति ग्राहकों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। महाप्रबंधक अपूर्व पचौरी ने बताया मारुति सुजुकी वैगनआर सीएनजी पर सितंबर माह में विशेष उपभोक्ता ऑफर के अंतर्गत 40000 रुपए की बचत, तथा 15000 रुपए का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है, व किसान भाइयों और सरकारी कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त ऑफर भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया की वैगन आर सीएनजी अपनी उन्नत तकनीक और 34.04 किमी/किग्रा के उत्कृष्ट माइलेज के कारण राजस्थान के ग्राहकों की पहली पसंद बन चुकी है। उन्होंने बताया कि इस वाहन में आकर्षक डिजाइन व पर्याप्त जगह के साथ इसमें आरामदायक बैठने की सुविधा है।

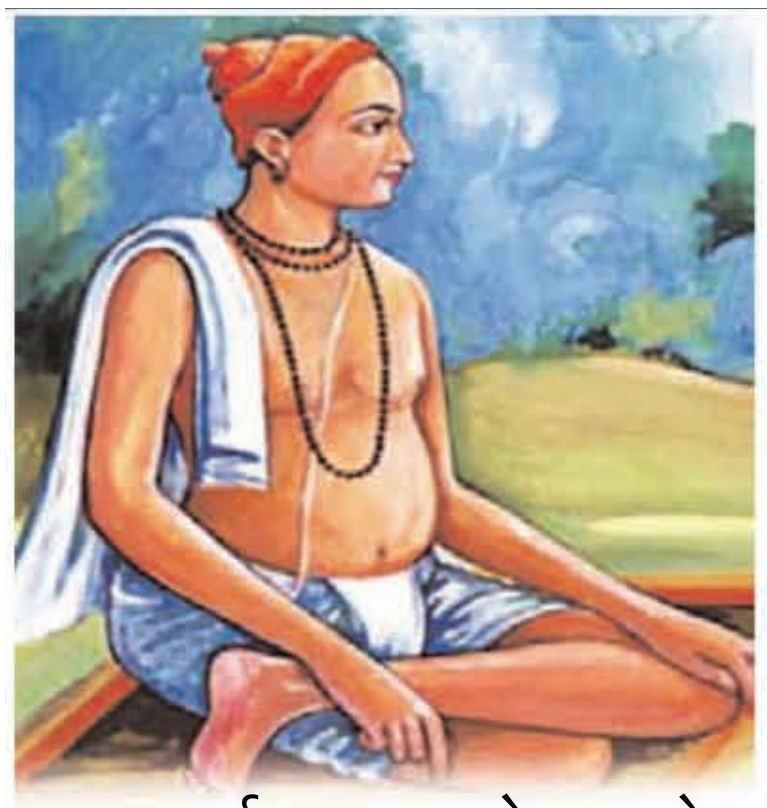

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हरदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

ईआरसीपी प्रोजेक्ट के पहले बांध नोनेरा-एबरा में आया पानी:

217 मिलियन क्यूबिक मीटर भराव कर जांचेंगे क्षमता,5 दिन बंद रहेगा स्टेट हाईवे

द पुलिस पोस्ट

इटावा। ईआरसीपी कैनाल परियोजना तहत बने प्रदेश के पहले नोनेरा-ऐबरा बांध के 27 गेटों की टेस्टिंग रविवार रात 12 बजे से शुरू की गई। इसके तहत कालीसिंध नदी के पानी को बांध में भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह टेस्टिंग 12 सितम्बर तक की जाएगी। इसमें आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति का आकलन होगा। इसके साथ ही, 54 क्यूबिक मीटर पानी पीने के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

इसके चलते स्टेट हाईवे-70 (कोटा से इटावा) पर आवाजाही पूरी तरह बंद है। इस दौरान देर रात से बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस का जाब्ता लगाया गया।

217 मिलियन क्यूबिक मीटर भरा जाएगा पानी

जल संसाधन विभाग के अनुसार, देर रात 12 बजे से टेस्टिंग की प्रक्रिया शुरू की गई थी। दोपहर तक बांध में 209. 15 मिलियन क्यूबिक मीटर जलस्तर था। इसे 217 मिलियन क्यूबिक मीटर तक भरा जाएगा। उन्होंने बताया कालीसिंध ढिपरी पुलिया पर 5 फीट पानी आया है। बांध में 3 लाख 98 हजार क्यूसेक की आवक से पानी को रोका जा रहा है।

कालीसिंध नदी के आसपास गांवों को अलर्ट जारी

नोनेरा में कालीसिंध नदी पर बने बांध में जलभराव के कारण ढिपरी-कालीसिंध पुलिया पर प्रभाव पड़ेगा। इस स्थिति के कारण स्टेट हाईवे 70 (कोटा-इटावा) पर आवागमन पूरी तरह से बंद है। इटावा के डीएसपी शिवम जोशी ने बताया कि पुलिया पर आवागमन को पूरी तरह से रोक दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए इटावा और बूढ़ादीत पुलिस को दोनों ओर तैनात किया गया है।

54 क्यूबिक मीटर पानी पीने के लिए सुरक्षित रखा जाएगा

जल संसाधन विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आरके जैमिनी और सुपरीटेंडेंट इंजीनियर अनिल यादव ने बताया कि बांध का निर्माण पूरा हो चुका है। इसमें कुल 27 गेटों का निर्माण किया गया है। 8 सितंबर से 12 सितंबर तक इन गेटों की टेस्टिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि बांध की भराव क्षमता 226.65 मिलियन क्यूबिक मीटर है, इसमें से 54 क्यूबिक मीटर पानी पीने के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। इस परियोजना के तहत 442 करोड़ रुपए की लागत से कोटा, बूंदी, बारां के 6 कस्बों और 749 गांवों को पेयजल आपूर्ति की जाएगी।

क्या है ईआरसीपी?

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के दूसरे कार्यकाल में 2017 में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का खाका तैयार किया गया था। इस परियोजना के अंतर्गत पार्वती, चंबल और काली सिंध नदियों को जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई थी। इसके माध्यम से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, अजमेर, करौली, टोंक, दौसा, सवाई माधोपुर, अलवर, बारां, झालावाड़, भरतपुर, धौलपुर, बूंदी और कोटा को जल संकट से राहत मिलेगी। यह परियोजना न केवल पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि किसानों को सिंचाई के लिए भी आवश्यक पानी उपलब्ध कराएगी। हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के बीच इस परियोजना को लेकर एमओयू हुआ था।

कोटा-इटावा के बीच आवागमन को सुचारू बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए हैं। 8 सितंबर से, कोटा जाने वाले यात्री सीसवाली और अंता होते हुए इटावा पहुंच सकेंगे। ट्रैफिक को गेता, माखीदा और लबान के रास्ते से चलाया जाएगा। साथ ही कालीसिंध नदी के आसपास के गांवों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पार्वती नदी में नहाने गई 4 लड़कियां डूबी:पैर फिसलने से गहरे पानी में चली गईं, रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ की टीम पहुंची

द पुलिस पोस्ट

धौलपुर। धौलपुर में पार्वती नदी में 4 लड़कियां गहरे पानी में डूब गईं। चारों अपने परिवार के लोगों के साथ ऋषि पंचमी के मौके पर नदी में नहाने के लिए गई थीं। रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया है। हादसा मनियां थाना क्षेत्र के बोथपूरा गांव के पास रविवार सुबह साढ़े 9 बजे हुआ। बरैठा चौकी प्रभारी देवेश कुमार ने बताया कि बोथपूरा गांव की रहने वाली मोहिनी(14), प्रिया(12), अंजलि(14) और तनु(10) पार्वती नदी में डूब गई हैं। नहाते समय अचानक पैर फिसलने से चारों मासूम गहरे पानी में चली गई थीं। चारों लड़कियों के पानी में डूबने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस स्थानीय लोगों के साथ लड़कियों की तलाश कर रही है।

पार्वती बांध के गेट खोले जाने के बाद पार्वती नदी उफान पर बह रही है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर पहुंच गई है।

नहाते समय अचानक पैर फिसलने से चारों मासूम गहरे पानी में डूब गई।

नहाते समय अचानक पैर फिसलने से चारों मासूम गहरे पानी में डूब गई।, नदी का बहाव तेज, रेस्क्यू टीम को आ रही मुश्किल, नदी में चार बच्चियों के बह जाने के बाद धौलपुर जिले से रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची है। एसडीआरएफ टीम को पानी के तेज बहाव की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। 15 सदस्यीय रेस्क्यू टीम एक वोट के जरिए नदी में बच्चियों की तलाश कर रही है। हादसे के बाद जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी मौके पर पहुंच गए। भरतपुर से एसडीआरएफ की एक और टीम बुलाई गई है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जताई संवेदना

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने घटना

पर संवेदना जताई है। मंत्री ने एक्स पर लिखा- चार बच्चियों के डूब जाने का समाचार हृदय विदारक है। मैं परिजनों को संयम और सामर्थ्य प्राप्त होने की प्रार्थना करता हूं।

जयपुर की होटल में युवती से रेप:जॉब लगाने के बहाने मिलने बुलाया, कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर पिलाया नशा

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। जयपुर की एक होटल में युवती से रेप का मामला सामने आया है। जॉब लगाने के बहाने आरोपी ने मिलने के लिए उसे बुलाया था। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। सिंधीकैम्प थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (सिंधीकैम्प) किरण सिंह कर रहे हैं। पुलिस ने बताया- हरियाणा निवासी 25 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पिछले कुछ समय पहले उसका प्रशांत नाम के लड़के से कॉन्टैक्ट हुआ था। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे मोटी तनख्वाह पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। आरोप है कि बातों के जाल में आरोपी ने उसे नौकरी लगवाने के विश्वास में फांस लिया। जॉब लगाने के बहाने उसे जयपुर के सिंधीकैम्प स्थित होटल में मिलने बुलाया। जॉब की जरूरत के चलते वह बताए होटल में मिलने पहुंच गई। मिलने जाने पर आरोपी ने उसके कोल्ड ड्रिंक पीने का ऑफर की। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण वह बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ रेप किया। होश आने पर विरोध करने पर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। उसको अश्लील मैसेज कर टॉर्चर करने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। सिंधीकैम्प थाने में परिजनों के साथ पहुंचकर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सीएम भजनलाल शर्मा दक्षिण कोरिया-जापान की यात्रा पर रवाना:

राइजिंग राजस्थान समिट के जरिए निवेशकों को करेंगे आमंत्रित;कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे

द पुलिस पोस्ट

जयपुर। राइजिंग राजस्थान समिट को लेकर पहली अंतरराष्ट्रीय इंवेस्टर्स मीट की शुरूआत होने जा रही है। सीएम भजनलाल शर्मा इस इंवेस्टर्स मीट को संबोधित करेंगे और ग्लोबल कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करके उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे।। इसे लेकर सीएम प्रतिनिधि मंडल के साथ रविवार को दक्षिण कोरिया और जापान के लिए रवाना हुए। जयपुर एयरपोर्ट से सीएम भजनलाल शर्मा चार्टर प्लेन से दिल्ली गए। दिल्ली से शाम को वे दक्षिण कोरिया के लिए रवाना होंगे। इससे पहले सुबह जयपुर एयरपोर्ट पर मंत्री अविनाश गहलोत, जवाहर सिंह बेढ़म, सीएस सुधांश पंत, डीजीपी यूआर साहू सहित कई विधायक और अधिकारी सीएम से मिले। सीएमके नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल 9 से 14 सितंबर तक इन दोनों देशों की यात्रा पर रहेगा। प्रतिनिधि मंडल में डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा,अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, रीको और बीआईपी के अधिकारी शामिल हैं।

ग्लोबल कंपनियों को निवेश के लिए करेंगे आमंत्रित

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के व्यापार जगत के अधिकारियों से मुलाकात करेगा। उन्हें राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेगा। प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी में 'नीमराना दिवस' समारोह में भी भाग लेगा। नीमराना राजस्थान के अलवर में एक जापानी औद्योगिक क्षेत्र है, जिसमें कई जापानी कंपनियां काम करती हैं। दक्षिण कोरिया और जापान के इस दौरे में मुख्यमंत्री इन्फ्रास्ट्र YS, स्टील, ऑटो मोटिव, अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र की कई कंपनियों के अधिकारियों से भी मिलेंगे। उन्हें राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेंगे। इन्वेस्टर्स मीट के दौरान राजस्थान में निवेश के लिए मुख्य फोकस क्षेत्र इन्फ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम और डिजाइन मैन्युफैक्चरिंग,स्टोन होंगे। प्रतिनिधिमंडल जापान यात्रा के दौरान प्रवासी राजस्थानियों (एनआरआई) के एक समूह से भी मिलेगा और कार्यक्रमों में भी भाग लेगा। प्रतिनिधि मंडल पॉस्को इंटरनेशनल, डाइकिन, हिताची, बेल्टेक्नो, सैमसंग हेल्थकेयर, हनवा सॉल्यूशन जैसी कई जापानी-कोरियाई फर्मों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा।

दक्षिण कोरिया में होगी दो राउंड टेबल मीटिंग

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में प्रतिनिधि मंडल दो राउंड-टेबल मीटिंग में भी भाग लेगा। इसमें पहला राउंड-टेबल टूरिज्म एसोसिएशन के साथ और दूसरा राउंड-टेबल कोरियन स्टोन एसोसिएशन के साथ आयोजित होगा। प्रतिनिधिमंडल और अन्य उद्योग प्रतिनिधियों के लिए जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और दक्षिण कोरिया में भारत के राजदूत अमित कुमार की ओर से स्पेशल डिनर भी रखा जाएगा।

सरकार देश और दुनिया में आयोजित कर रही इन्वेस्टर्स मीट

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की तैयारी के सिलसिले में राज्य सरकार देश और दुनिया के कई शहरों में इन्वेस्टर्स मीट आयोजित करने जा रही है। विदेशों में यह इन्वेस्टर्स मीट दक्षिण कोरिया, जापान, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर में आयोजित होगी। वहीं देश में मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई जैसे वाणिज्यिक केंद्रों पर इन्वेस्टर्स मीट आयोजित करने की योजना है। पिछले महीने मुंबई में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की पहली घरेलू इन्वेस्टर्स मीट आयोजित हुई थी। जिसमें 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे।

दिसंबर में आयोजित होगी राइजिंग राजस्थान समिट

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। समिट में कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक व्हील्स), इन्फ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो-केमिकल, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन सहित कई सेक्टर्स पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। समिट का आयोजन राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

लेपर्ड ने महिला का सिर धड़ से अलग किया:

उदयपुर के जंगल में डेढ़ किमी. तक घसीटते ले गया; 10 लाख मुआवजे पर सहमति बनी

द पुलिस पोस्ट

उदयपुर। उदयपुर में लेपर्ड ने तीन महिलाओं पर हमला कर दिया। दो महिलाएं बचकर भाग निकलीं, लेकिन एक महिला को पकड़कर लेपर्ड जंगल में ले गया। जब महिला को ढूंढा गया तो उसका धड़ और सिर अलग-अलग मिले। लेपर्ड के बढ़ते हमले और महिला की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे जाम कर दिया। हाईवे पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने 51 लाख रुपए मुआवजे और लेपर्ड को गोली मारने की मांग की है। घटना रविवार सुबह 8 बजे झाड़ोल थाना इलाके की है। मौके पर पर 3 थानों की पुलिस मौजूद रही। शाम 4 बजे प्रशासन की समझाइश पर ग्रामीणों और परिजनों से 10 लाख के मुआवजे और वन-विभाग की नर्सरी में परिवार के दो लोगों को मजदूरी पर रखने की बात पर सहमति बनी। इसके बाद 6 घंटे बाद नेशनल हाईवे 58ई पर वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई गई।

गर्दन से घसीटकर ले गया लेपर्ड

झाड़ोल थानाधिकारी रामनिवास ने बताया कि लेपर्ड के हमले में मीराबाई (40) की मौत हुई है। मीराबाई सहित दो अन्य महिलाएं नेशनल हाईवे 58 ई के पास पहाड़ी पर लकड़ियां इकट्ठा करने गई थीं। तभी यहां घात लगाकर बैठे लेपर्ड ने हमला कर दिया। अन्य दो महिलाओं ने शोर मचाकर उसे भगाने की कोशिश भी की, लेकिन लेपर्ड मीराबाई को गर्दन से दबोच कर जंगल की ओर ले गया। सर्च के दौरान मीराबाई का शव पहाड़ी के दूसरी ओर जंगल में डेढ़ किमी अंदर नजर आया। मीराबाई के परिवार में पति और दो बच्चे हैं।

6 घंटे बाद खुला जाम

दोपहर में वन विभाग की टीम ने ड्रोन उड़ाकर लेपर्ड को तलाश किया। लेकिन, कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद झाड़ोल एसडीएम मणिलाल और झाड़ोल डिप्टी महावीर सिंह शेखावत, डीएफओ मुकेश सैनी और एसडीएम मणिलाल तिरगर ने ग्रामीणों से समझाइश की। 1 घंटे चली वार्ता के बाद विभिन्न सरकारी योजनाओं से 10 लाख रुपए का मुआवजा और परिवार के दो सदस्य को वन विभाग की नर्सरी में मजदूरी का काम देने का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद सुबह 10.00 बजे से बाधित नेशनल हाईवे 58 ई शाम 4 बजे शुरू हुआ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लि.डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111